सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

खिलाडिड्डों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले -पेज: 7

तमिल फिल्म वा वाथियार में स्पिरिट रीडर का किरदार -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 243 | शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

दिल्ली के सदर बाजार में गोदाम में आग लगी

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के सदर बाजार में पुलिस थाने के पास एक बहुमंजिला इमारत में बुधवार देर रात को आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि डीएफएस को रात 9.23 बजे एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली, जिसमें कई गोदाम हैं। उन्होंने कहा, शुरूआत में दमकल के तीन टैंकर और पानी का एक टैंकर घटनास्थल पर भेजा गया था। रात 9.42 बजे अनुरोध मिलने पर पानी के दो अतिरिक्त टैंकर भेजे गए। उन्होंने बताया कि आग इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित एक पॉलीथीन गोदाम और तीसरी मंजिल पर स्थित प्लास्टिक की बोतलों के भंडारण क्षेत्र तक फैल गई थी। यह इमारत लगभग 100 वर्ग गज में बनी है और इसमें भूतल के अलावा तीन मंजिलें शामिल हैं। आग पर देर रात 1.45 बजे तक काबू पा लिया गया। हालांकि, इमारत में शीतलन (कूलिंग) का काम जारी है।

लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयकों की जांच कर रही समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा ने गुरुवार को उस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों की जांच कर रही है। जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच अवधि को 2026 के बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक बढ़ाने का प्रस्ताव सदन में रखा। लोकसभा ने इस प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया। कई विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त पिछले वर्ष दिसंबर में गठित समिति ने अब तक कई दौर की बैठकों में संवैधानिक विशेषज्ञों,

अर्थशास्त्रियों और विधि आयोग के अध्यक्ष दिनेश महेश्वरी सहित कई विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त किए हैं। पीपी चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक पीपी चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में भाजपा सांसद संबित पात्रा, अनुराग ठाकुर, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, सुखदेव भगत और समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव शामिल हुए। इस बैठक में राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी समिति के सामने अपने विचार रखे। सिब्बल ने कथित तौर पर वन नेशन, वन इलेक्शन प्रणाली का विरोध करते हुए कहा कि यह मॉडल संविधान की मूल संरचना को

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सभी हितधारकों को...

बैठक के बाद पीपी चौधरी ने कहा कि सिब्बल ने कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए और बैठक में रचनात्मक चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि समिति की अगली बैठक 17 दिसंबर को होगी। चौधरी ने कहा, यह एक बड़ा चुनाव सुधार है। वन नेशन, वन इलेक्शन पर सभी हितधारकों को सुनना जरूरी है। समिति का हर सदस्य देशहित में काम कर रहा है।

प्रभावित कर सकता है, संघीय ढांचे को कमजोर कर सकता है और राज्यों के अधिकारों का हनन कर सकता है। चूंकि संसदीय समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है, इसलिए बैठक की विस्तृत चर्चाएं सार्वजनिक नहीं की गईं। वन नेशन, वन इलेक्शन पर सभी हितधारकों को सुनना जरूरी बैठक के बाद पीपी चौधरी ने कहा कि सिब्बल ने कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए और बैठक में रचनात्मक चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि समिति की अगली बैठक 17 दिसंबर को होगी। चौधरी ने कहा, यह एक बड़ा चुनाव सुधार है। वन नेशन, वन इलेक्शन पर सभी हितधारकों को सुनना जरूरी है। समिति का हर सदस्य देशहित में काम कर रहा है। विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव चक्र को एकसमान बनाना है केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा दिसंबर 2024 में पेश किए गए दोनों विधेयकों को बाद में विस्तृत जांच के लिए संसदीय समिति को भेजा गया था।

इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव चक्र को एकसमान बनाना है। इसके लिए उन विधानसभा कार्यकालों को छोटा किया जा सकता है, जो किसी निर्धारित लोकसभा कार्यकाल के बाद चुनी जाती हैं, ताकि दोनों का कार्यकाल एक साथ समाप्त हो सके।

पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है, यहाँ ऐसा नहीं होने दिया जाएगा: ममता बनर्जी का बीजेपी पर तीखा वार

कोलकाता एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में हाल ही में हुए गीता पाठ कार्यक्रम में दो ठेलेवालों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि राज्य में इस तरह की धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नदिया जिले के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह पश्चिम बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं। उन्होंने ठेले बेचने वालों को पीटा... हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की संस्कृति फैलाने का आरोप लगाया। भगवा पार्टी पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि मैं सांप्रदायिक विभाजन में विश्वास नहीं करती। मैं सभी धर्मों

के साथ चलना चाहती हूं। गीता पाठ के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? जो लोग ईश्वर से प्रार्थना करते हैं या अल्लाह से आशीर्वाद मांगते हैं, वे अपने हृदय में ऐसा करते हैं। धार्मिक ग्रंथों का राजनीतिक लामबंदी के लिए इस्तेमाल करने वालों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मैं उन लोगों से पूछना चाहती हूं जो लगातार 'गीता, गीता' जपते रहते हैं - श्री कृष्ण ने धर्म के बारे में क्या कहा था? धर्म का अर्थ है पालन करना, विभाजन करना नहीं। वे पश्चिम बंगाल को नष्ट करना चाहते हैं। वे राज्य पर कब्जा करना चाहते हैं और लोगों को बंगाली बोलने से रोकना चाहते हैं। हम सभी गीता पढ़ते

ममता बनर्जी ने गीता पाठ के दौरान मांसाहारी विक्रेताओं पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में ऐसी धमकियां स्वीकार्य नहीं हैं और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

और सुनाते हैं। इसके लिए सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? कोलकाता पुलिस ने बुधवार रात को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने 7 दिसंबर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित 'पांच लोक्खो कोंठ गीता पाठ' के दौरान दो खाद्य विक्रेताओं पर हमला किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज दो शिकायतों के आधार पर ये गिरफ्तारियां की गईं।

बीजेपी छोड़िए, अब तो राहुल गांधी के विदेश दौरों को लेकर इंडिया ब्लॉक की पार्टियां भी खड़े कर रहे सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर उन पर हमला तेज करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को लोकसभा में सवाल उठाए और पूछा कि क्या उन्हें अक्सर गुप्त रूप से विदेश यात्राएं करने की मजबूरी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का कार्यक्रम सार्वजनिक नहीं किया जाता है और वे कांग्रेस नेता से पूछते हैं कि वे देश से क्या छिपा रहे हैं। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सिन्हा ने राहुल गांधी को पर्यटन का नेता और पार्टी करने का नेता कहकर संबोधित किया, जो अगले सप्ताह जर्मनी की उनकी छह दिवसीय यात्रा से पहले विपक्ष के नेता

पर कटाक्ष था। भाजपा नेता ने विपक्ष के नेता पर देश के महत्वपूर्ण अवसरों को छोड़कर विदेश यात्राओं पर जाने के तरीके को लेकर भी हमला किया। एक दुर्लभ घटना में, आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी (एसपी) सहित इंडिया ब्लॉक के सहयोगी दलों ने राहुल गांधी पर हमला करने में भाजपा का साथ दिया। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए, आम आदमी पार्टी ने संसदीय सत्र से राहुल की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और पूछा, "क्या यह लापरवाही से अनुपस्थिति ज्ञानोदय का परिणाम है?" आप नेता प्रियंका कक्कड़ ने एक्स पर लिखा, "किसी ने विपक्ष के नेता को यह नहीं बताया कि वे शीतकालीन सत्र में अनुपस्थित रहने के बजाय इस समय जर्मनी में अपने प्रवासी कांग्रेसी पदाधिकारियों के साथ बैठक के लिए गूगल मीट का इस्तेमाल कर सकते थे? क्या यह लापरवाही से अनुपस्थिति ज्ञानोदय का परिणाम है, या भारत को भाजपा बनाम कांग्रेस के नारों में उलझाए रखने की रणनीति है?" इसके अलावा, समाजवादी पार्टी ने भी शीतकालीन सत्र से राहुल गांधी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। पार्टी ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है और राहुल जी विदेश यात्राओं को लेकर चिंतित हैं। वे देश की राजनीति को लेकर कितने चिंतित हैं, यह सभी जानते हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे, इस दौरान वे भारतीय प्रवासी भारतीयों से बातचीत करेंगे और जर्मन मंत्रियों से मुलाकात करेंगे।

नक्सलवाद पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र, हमने इस समस्या को जड़ से मिटा दिया: मोहन यादव

भोपाल एजेंसी: मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस ने नक्सलवाद को लेकर दोहरा रवैया अपनाया जबकि भारतीय जनता पार्टी पार्टी (भाजपा) की सरकार ने इसे जड़ से मिटा दिया है। यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, राज्य में कांग्रेस के (पूर्ववर्ती) शासनकाल में नक्सलवाद बहुत बड़ी समस्या थी। हमने इस समस्या को जड़ से मिटा दिया है। सूबे के मंडला, बालाघाट और डिंडोरी जिले नक्सलियों से तकरीबन मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस के शासनकाल के दौरान नक्सलियों ने एक मंत्री की हत्या कर दी थी। यादव ने दिग्विजय सिंह का नाम लिए बगैर कहा, नक्सलवाद की समस्या की मूल जड़ सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री थे जो आज भी (नक्सली कमांडर) माड़वी हिड़मा के मारे जाने पर दुख व्यक्त करते हैं। यह रवैया कांग्रेस का दोहरा चरित्र बताता

है।ह्न उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल आरोप लगाने की राजनीति में यकीन रखती है और इस पार्टी की पिछली सरकारों ने नक्सलवाद जैसी समस्याओं को जिंदा रखा। यादव ने 13 दिसंबर 2023 को मध्यप्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। उन्होंने अपनी सरकार की पिछले दो साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि इस अवधि में महिलाओं, किसानों, युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के हितों में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में चिकित्सा महाविद्यालयों की तादाद दोगुनी हो गई है और औद्योगिक विकास दर राष्ट्रीय औसत को पार कर गई है। यादव ने कहा कि उनकी सरकार मध्यप्रदेश को देश का सबसे ज्यादा विकसित राज्य बनाने की दिशा में काम कर रही है।

तिरुप्परनकुंद्रम विवाद पर हिंदुओं के पक्ष में सीना तान कर खड़े हुए बीजेपी-आरएसएस

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर में पारंपरिक दीपक जलाने को लेकर जिस तरह का विवाद खड़ा हुआ, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है और इसमें आरएसएस तथा भाजपा की स्पष्ट और निर्भीक भूमिका अब केंद्र में आ गई है। दोनों संगठनों ने न सिर्फ हिंदुओं के अधिकारों की आवाज बुलंद की है, बल्कि न्यायपालिका के सम्मान की रक्षा के मुद्दे पर भी बेहद दृढ़ रुख दिखाया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने साफ शब्दों में कहा है कि तमिलनाडु में हिंदुओं के भीतर जो चेतना उभरी है, वही तिरुप्परनकुंद्रम विवाद के समाधान के लिए पर्याप्त है। उनका संदेश स्पष्ट था कि हिंदू समाज अब जाग चुका है और अपनी परंपराओं पर अंकुश लगाने वाली किसी भी कोशिश को स्वीकार करने की मानसिकता में नहीं है। हम आपको याद दिला दें कि बीते सप्ताह कार्तिगई दीपम उत्सव के दौरान तिरुप्परनकुंद्रम में तनाव भड़क उठा था। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै खंडपीठ पहले ही आदेश दे चुकी थी कि पहाड़ी मंदिर पर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया जाए लेकिन पुलिस ने श्रद्धालुओं को ऐसा करने से रोक दिया था। हिंदू तमिलर कच्ची के संस्थापक राम रविकुमार की याचिका पर न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने राज्य प्रशासन को निर्देश दिया था कि पवित्र दीपक पहाड़ी की चोटी पर जलाया जाए। लेकिन सरकारी अधिकारियों ने इस पर आपत्ति जताई थी। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में आरएसएस के 100 इयर्स ऑफ संघ जर्नीझ न्यू होराइजन्स कार्यक्रम में जब आरएसएस प्रमुख से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर तिरुप्परनकुंद्रम मुद्दे को बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी तो किया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, बताया महान राजनेता

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत के सार्वजनिक जीवन में उनके लंबे और विशिष्ट योगदान को याद किया। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि श्री प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। एक महान राजनेता और असाधारण विद्वतापूर्ण विद्वान, उन्होंने दशकों के सार्वजनिक जीवन में अटूट समर्पण के साथ भारत की सेवा की। प्रणब बाबू की बुद्धिमत्ता और स्पष्ट सोच ने हर कदम पर हमारे लोकतंत्र को समृद्ध किया। यह मेरा सौभाग्य है कि इतने वर्षों तक उनके साथ संवाद करने के दौरान मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पूर्व राष्ट्रपति को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शाह ने उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया, जिनकी संविधान की गहरी

समझ और दशकों की सार्वजनिक सेवा ने भारत के शासन पर अमिट छाप छोड़ी। गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पित नेता, मुखर्जी जी की संविधान की गहन समझ ने सार्वजनिक पदों पर उनके कार्यकाल को परिभाषित किया। उनका जीवन और कार्य हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को प्रेरित करते रहेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लिखा, पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न प्रणब मुखर्जी की जयंती पर उन्हें मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। उनकी दूरदृष्टि, सादगी और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण भारतीय लोकतंत्र के लिए अमूल्य धरोहर हैं।ह्न प्रणब मुखर्जी ने 2012 से 2017 तक भारत के 13वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया और उन्हें देश के सबसे कुशल प्रशासकों में से एक माना जाता है। सर्वसम्मति स्थापित करने में माहिर प्रणब मुखर्जी ने अपने लंबे और गौरवशाली सार्वजनिक जीवन में नीतियों को आकार देने और राजनीतिक चुनौतियों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की उठी मांग, राज्यसभा में वंदे मातरम पर चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस सप्ताह संसद के दोनों सदनों में सामान्य कामकाज देखने को मिला है। हालांकि, आज लोकसभा और राज्यसभा दोनों में ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक झोंक हुई है। राज्यसभा में जहां जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच में वार-पलटवार हुआ। वहीं, लोकसभा में निशिकांत दुबे की मांग पर जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। लोकसभा ने उन विधेयकों पर विचार कर रही संसदीय समिति का कार्यकाल बृहस्पतिवार को बढ़ा दिया, जिनमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान है। वहीं, लोकसभा में बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उस समय एक विचित्र स्थिति से गुजरना पड़ा जब अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों के प्रश्नों का जवाब देते समय उन्हें जेब में हाथ डाले रखने पर नसीहत दी। लोकसभा की कार्यवाही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, जिसका कांग्रेस सदस्यों ने तीखा विरोध किया। सदन में हंगामे के बाद पीठासीन सभापति

दिलीप सैकिया ने कार्यवाही शाम चार बजकर सात मिनट पर शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने केंद्र सरकार से मांग की कि देश में देसी गायों की नस्लों को संरक्षण देना चाहिए और गाय को राष्ट्रमाता या राजमाता का दर्जा दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के उज्ज्वल रमण सिंह ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, गाय राष्ट्रीय पहचान और गौरव का प्रतीक है। देश में देसी गायों की आबादी तेजी से घट रही है। उनकी गरिमा, सम्मान और संरक्षण की तत्काल

लोकसभा में निशिकांत दुबे की मांग पर जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। लोकसभा ने उन विधेयकों पर विचार कर रही संसदीय समिति का कार्यकाल बृहस्पतिवार को बढ़ा दिया

आवश्यकता है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को बहाना बनाना बंद कर, ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। सदन में कांग्रेस के सचेतक ने कहा, दिल्ली में लोग वायु प्रदूषण से इतने परेशान हैं कि सांस नहीं ले पा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद पर ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्रवाई की बात कही। ठाकुर ने प्रश्नकाल में हिमाचल प्रदेश से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के दौरान कहा, देशभर में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध है। सदन में क्या ई-सिगरेट पीने की अनुमति है? जब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने नहीं में जवाब दिया तो ठाकुर ने कहा, तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य पिछले कई दिन से सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। हालांकि, भाजपा सांसद ने किसी सदस्य का नाम नहीं लिया। राज्यसभा की कार्यवाही जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर चर्चा का मुख्य विषय जवाहरलाल नेहरू हैं।

संपादकीय

चुनाव सुधार अर्थात 'वोट चोरी'

लोकसभा में चुनाव सुधार के मुद्दे पर बहस हुई, लेकिन कोई सुधार या संवैधानिक संशोधन सामने नहीं आया। सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में 'वोट चोरी' का आरोप संसद के भीतर गूंजता रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का बेहद गंभीर आरोप चस्पां किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो आपको ढूंढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि 'वोट चोरी' के जरिए आपने 'लोकतंत्र-चोरी' का काम कराया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस कानूनी संशोधन पर भी सवाल उठाया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तय करने वाले पैनल में से देश के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? चुनाव आयुक्तों के किसी भी फैसले अथवा काम के मद्देनजर उन्हें इम्युनिटी, कानूनी छूट, क्यों दी गई है? उनके खिलाफ कोई भी कानूनी केस दायर क्यों नहीं किया जा सकता? सीसीटीवी की फुटेज चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के 45 दिन बाद नष्ट क्यों की जाए? यह कानून गलत और भ्रामक है। नेता प्रतिपक्ष कांग्रेसी सत्ता के इतिहास को नहीं जानते, जब सरकार, यानी प्रधानमंत्री ही, मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन और नियुक्ति करते थे। बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया जाता था अथवा किसी उच्च ओहदे पर बिठा दिया जाता था। तब सत्ता न तो संसद और न ही देश के प्रति जवाबदेह होती थी। तब नेता प्रतिपक्ष को इतना भी अधिकार नहीं था कि वह अपनी 'असहमति' जता सकता। कमोबेश आज प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के चयन-पैनल में विपक्ष का प्रतिनिधि अपनी असहमति का नोट तो दर्ज करा सकता है।

कांग्रेस के ही वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने व्याख्या की कि एक साथ कई राज्यों में या एक ही पूर्ण राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं कराया जा सकता। चुनाव आयोग को यह संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि जहां उसे मतदाता सूची में विसंगति लगे, वह उसी क्षेत्र में एसआईआर का अभियान शुरू कर सकता है। यह बहस सर्वोच्च अदालत में भी उभर कर सामने आई है। एसआईआर को देश के 'जनप्रतिनिधित्व कानून' का उल्लंघन करार दिया गया है। आज 2025 में कई राज्यों में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था अथवा नहीं। अर्थात मतदाता को पुष्टि करनी है कि अतीत में वह मतदाता रहा था। दरअसल मतदाताओं को न तो पुरानी मतदाता सूची उपलब्ध है और न ही चुनाव आयोग के पोर्टल और वेबसाइट काम कर रहे हैं। यह पुष्टि देश का औसत मतदाता कैसे कर सकता है? 2003 या इतने पुराने मतदाता की पुष्टि सिर्फ चुनाव आयोग ही कर सकता है, क्योंकि उसके पास तमाम रिकॉर्ड हैं और वह मतदान कराता आया है। लिहाजा सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने एसआईआर को एक ह्यअसंवैधानिक प्रक्रियाह्न करार दिया है। सर्वोच्च अदालत को इस संदर्भ में अपनी व्याख्या देनी है।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज।

व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है।

उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

मनोज कुमार अग्रवाल

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्‌गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निमार्ताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया।

संसद में व्यर्थ बातों पर नहीं जनहित पर चर्चा आवश्यक

संजय गोस्वामी

संसद में यदि बंदे की चर्चा जोरों पर है क्योंकि इसकेसाल 2025 भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम के लिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक मील का पत्थर होगा, क्योंकि इसके पहले पब्लिकेशन के 150 साल पूरे हो रहे हैं। बंदे मातरम पर बोलने से कोई आपत्ति करता पर तूल देना ठीक नहीं है बंदे मातरम एक राष्ट्रगान है जिसपर संसद में खुब चर्चा हुई कुछ मुस्लिम सांसद की नारजगी हुई इसे तूल मैं भी उसके जगह जय श्री राम बोलता हूँ तो क्या होगा क्योंकि जब देश में ही मिलावटी लोग हैं तो मेरा भगवान राम राष्ट्र से भी ऊपर है मैं भगवान राम को ही संसार का मालिक समझ कर उनका नाम लेता हूँ क्योंकि जब भगवान राम का अस्तित्व रहेगा तभी हम शांति और चैन से जी सकते हैं जब ऐ गान पहले से संसोधित हो गया तो मैं भगवान राम के अलावा किसी के सामने झुकना पसन्द नहीं करूँगा क्योंकि मेरे संस्कार में ही वो हमेशा रहे हैं और अन्त में राम नाम सत्य होना ही है तो अभी ही ले लूँ यहीं हमारा धर्म और उनके मयार्दा का पालन करना कर्म है अब दोनों ही एक मतलब हो गए क्योंकि भगवान राम ही इस धरती में हमें हमेशा मानवता की रक्षा और देशद्रोही से लड़ना सिखाता है एक गाना खुब चला, मेरे रोम रोम में बसने वाले राम, जगत के स्वामी है अंतयार्मी मैं तुझसे क्या मांगू।।। किसी पर किसी वाक्य बोलने से क्या फर्क पड़ता है तेरा तुझको सौंप कर क्या लागे मेरा, वाणी वही बोले जो अंतरात्मा की आवाज कहती है अंतरात्मा दरअसल आत्मा, आंतरिक स्व (inner self), या आंतरिक स्व (inner self), या जमीर, जो सही और गलत की पहचान करने वाली आंतरिक आवाज या अंतःप्रज्ञा है, जो हमें नैतिक निर्णय लेने में मदद करती है; इसे आंतरिक स्व की ज्योति या आत्मा की आवाज भी कहा जाता है, जो हमारे अंतःकरण में विद्यमान होती है। यह हमारे मन और आत्मा का वह हिस्सा है जो हमें सही राह दिखाता है, भले ही बाहरी नियम या तर्क सीमित हों अतः जो अंतरात्मा की आवाज कहती है वही बोले इसलिए हमें पहले अपने अंदर झाँक कर देखना चाहिए मैं कितना सही हूँ आज अगर भारत माता की रक्षा के लिए हमें बलिदान देना पड़े तो क्या हम तैयार हैं।अतः देश के सेना ही हमारे असली नायक हैं जो देश की रक्षा के लिए जान की बाजी भी दे देते हैं अतः देशभक्त होना जरुरी है भाषा कोई विवाद नहीं है राम यह शब्द दिखने में जितना सुंदर है उससे कहीं महत्वपूर्ण है इसका उच्चारण। राम भारत की आत्मा है जब ऐ समझ आएगी तभी देश के प्रति सेवा का भाव पैदा होगा। राम कहने मात्र से शरीर और मन में अलग ही तरह की प्रतिक्रिया होती है जो हमें आत्मिक शांति देती है।दरअसल हिन्दू की अंतिम विदाई में यानी शवयात्रा में 'राम नाम सत्य है' यह बोलकर मृतक को सुनाना नहीं होता है, बल्कि साथ में चल रहे परिजन, मित्र और वहां से गुजर रहे लोग इस तथ्य से परिचित हो जाएं कि राम का नाम ही सत्य है। साथ ही जब मनुष्य जब राम का नाम लेगा तभी उसकी सदगति होगी। इसलिए इसका मकसद यह कहकर परंपरा शुरू की गई थी कि मृतक के मरने के पीछे जब मनुष्य इतना लड़ते हैं, धर्म जाति पाती बड़ा छोटा के लिए वाद-विवाह करते हैं और अपनो से ही यश के कारण आपमें घमंड के कारण लड़ा करते हैं, लेकिन अन्य व्यक्ति को भी यह मालूम होना चाहिए कि राम का नाम सत्य है क्योंकि सबसे बड़ा घमंड जो रावण के पास आया उसको भगवान राम ने ही तोड़ा यानि जिसने इस धरती पर जन्म लिया, उसकी मृत्यु निश्चित है। इसलिए घमंड ना करें जीवन में मिल जुल कर रहे गरीबों की सेवा और सत्य की राह पर चले यही मान्यता है और इन्हीं सब कारणों की वजह से शवयात्रा में 'राम नाम सत्य है' बोलते हैं।इससे मृतक के आत्मा को शांति मिलती है शरीर मरता नहीं है क्योंकि उसमें ऊर्जा है शिथिल होता है और ऊर्जा का पतन होने लगता है बाद में यही ऊर्जा प्राण के रूप में बाहर निकल जाती है और स्थूल से सूक्ष्म में रूपांतर हो जाता है और अनुभूति होती है और राम के राम की ध्वनि से उसमें प्रभु को यादकर अपनी जीवन में हुए गलत कर्म के लिए माफी मांगता है और इस तरह वह शांति की ओर अग्रसर होता है और कई योनियों में जन्म लेने के बाद तब कहीं पुनः मनुष्य में जन्म मिलता है इसका कारण यह है की आप अपने शरीर की ऊर्जा को पहले ही कामवासना से नकारात्मक कर देते है और जब मोह टूटटी है तो आत्मा को शांति मिलती है जैसे किसी भी क्षेत्र में पारंगत होने के लिए प्रैक्टिस करना जरुरी है तब आप उसमें आप दक्ष होते है इसलिए हर समय शांति से रहना कम बोलना और समय पर सटीक बोलना उस परमात्मा भगवान राम को हमेशा याद करते रहने से आप में मौत का डर खत्म हो जायेगा और लोभ लालच में कामवासना से मुक्त होकर जब शांति की ओर अग्रसर होंगे तो सच सामने आएगा कि मृत होना एक दिन तय है इसलिए अपनी ऊर्जा सकारात्मक की ओर अग्रसर करें ज्यादा बोलने से आपकी ऊर्जा बेबजह नष्ट होती है जो आजकल संसद में वोट शुद्धिकरण पर चर्चा हो रही है घुसपैठिये, मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है और उसी का नाम एस आई आर है मुख्य विपक्षी पार्टी का एक के बाद एक चुनाव हारने का कारण इवीएम या वोट और ना जाने क्या क्या बहस हो रही है इसका मतलब यह है की पक्ष विपक्ष दोनों को आपकी नहीँ अपनी चिंता ज्यादा दिखाई दे रही है संसद में सही गलत पर तर्क वितर्क से कुछ नहीँ मिलेगा यदि चुनाव जितना है तो जनता के लिए काम करना होगा, पहले विपक्ष बिलकुल कमजोर या नहीँ था लेकिन पहले जो संसद में सोते थे आज सत्ता पक्ष को यह ध्यान देना जरुरी है कि आखिर विपक्ष में इतना ताकत कहाँ से आई वो भी उसी चुनाव प्रक्रिया से गुजर चूंके होंगे और अब सत्ता पक्ष को शांत रह कर काम करने की ज्यादा जरुरत है जिस तरह विपक्ष मजबूत हुआ है तो जनता के बल पर ही जीता, घुसपैठ कितना होगा इधर तो नजर नहीँ आ रहा है उसकी संख्या उतनी नहीँ है कि सरकार को बना या बिगाड़ दे जो सही में वोटर है वो तो पुरी तरह जाते ही नहीँ है कभी सुना है 90 परसेंट मतदान हुए हैँ अतः ऐ सब व्यर्थ की बातें हैँ काम की बातें करना ज्यादा जरुरी है जो देश के गरीबों के कल्याण के लिए हो अगर घुसपैठिये आये तो ऐ भी प्रशासन की लापरवाही होगी क्योंकि क्या अपने बाउंड्री को पूरा सील किया है जैसे बाकी के देश ने किया है एक ऐसा दिवार बना दिया है जिस पर जाना नामुमकिन है अमेरिका ने तो अमेरिका और मेक्सिको के बीच सीमा करीब 2000 मील (लगभग 3200 किमी) लंबी है। अमेरिका में अवैध घुसपैठ के लिए ये रास्ता बदनाम रहा है। दीवार बनने से पहले इस पर बाड़ लगी हुई थी। 2016 में ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान यहां पर दीवार बनाने का वादा किया। जनवरी 2017 में जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने इस वादे को निभाने पर काम शुरू करवाया। 2017 से लेकर 2021 तक करीब 727 किलोमीटर लंबी दीवार बनाई गई। इसे ट्रंप वॉल भी कहा जाता है। अतः इसपर चर्चा करना जरुरी है क्योंकि आए दिन कहीं पाकिस्तान से सटे इलाके में हमारे जवान मरते हैँ कहीं चीन से अब तो बांग्लादेश भी उसी राह पर चल निकला है अतः जब सीमा सुरक्षा बल है तो सवाल ऐ है कि घुसपैठ आखिर हो कैसे जा रहा है जो हमारी एकता और संप्रभुता पर खतरा है ऐ सिर्फ पश्चिम बंगाल की समस्या नहीँ है ऐ तो उत्तर प्रदेश में भी आ गए और योगी जी के डिटेनशन सेंटर के डर से लापता हो रहे हैँ अतः वाद विवाद मुद्दे जो देशहित में हो यही करना चाहिए अनर्थ वार्ता से बचना चाहिए संसद कोई अखाड़ा तो है नहीँ अपनी बात रखने का अधिकार सबको है लेकिन जो सार्थक हो चुनाव में हार मिली है तो उस पर पार्टी को अपनी छवि सुधार करना चाहिए ईवीएम कोई मुदा नहीँ है क्योंकि जब वोटिंग होती है तो विपक्ष के तरफ से भी एजेंट होता है इसका मतलब ऐ हुआ कि एजेंट ही उससे मिल गया ऐसा नहीँ है चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है और वीवीपैट के आने के बाद तो पारदर्शिता बढ़ी है ना जाने कितने लोग इसमें कड़ी मेहनत करते है जब इलेक्शन ड्यूटी होता है और काउंटिंग में वही फॉर्म एजेंट काउंटर पर ले कर जाता है जो चुनाव के समय का डाटा होता है अतः इस पर सवाल करना व्यर्थ है।

अमेरिका ने पाक पर लगाया करोड़ों डॉलर का दाँव, बलूचिस्तान के बारूद पर बैठकर सोना खोदेंगे ट्रंप !

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के सबसे अस्थिर और विद्रोह-ग्रस्त प्रांत बलूचिस्तान में स्थित रिकोडिक (Reko Diq) तांबा-सोना खदान के लिए 1.25 अरब डॉलर के यूएस EXIM बैंक वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। यह वही परियोजना है जिसे वर्षों से सुरक्षा संकट, राजनीतिक विवाद और बलूच विद्रोहियों की हिंसा ने कभी आगे बढ़ने नहीं दिया। इस निवेश के साथ निकट भविष्य में 2 अरब डॉलर तक की अमेरिकी मशीनरी और सेवाएँ पाकिस्तान भेजी जाएँगी। अमेरिकी चार्ज द'अफेयर्स नटाली बेकर ने कहा है कि यह परियोजना अमेरिका के लिए 6,000 और बलूचिस्तान में 7,500 नौकरियाँ उत्पन्न करेगी। उन्होंने रिकोडिक को दोनों देशों के लिए लाभकारी आदर्श मॉडल बताया है।

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबा-सोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है। इस परियोजना का 50% मालिकाना बैरिक के पास है, जबकि पाकिस्तानी संघीय व बलूचिस्तान सरकार के पास 25-25% हिस्सेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार इस परियोजना से 37 वर्षों में 70 अरब डॉलर से अधिक मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की संभावना है।

हालाँकि, सुरक्षा खतरे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। बलूच विद्रोही गुट लगातार सेना, खनन परियोजनाओं और विदेशी निवेश पर हमले करते रहे हैं। हाल ही में बलूच नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी निवेशक बलूचिस्तान के कब्जे को वैधता देने की गलती नहीं करे। बलूच नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष नसीम बलूच ने इसे बलूच जनता की संपत्ति पर पाकिस्तानी कब्जे को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। इसी बीच विश्व बैंक की क्ख्र, एशियन डेवलपमेंट बैंक और अन्य वैश्विक उधारदाता 2.6 अरब डॉलर से अधिक का वित्त पैकेज जोड़ रहे हैं। साथ ही सऊदी अरब की मनारा मिनरल्स भी 10-20% हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत कर रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल वही है कि क्या पाकिस्तान इतने लंबे समय तक सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे और राजनीतिक स्थिरता की गारंटी दे पाएगा? देखा जाये तो अमेरिकी निवेश ऐसे समय में आया है जब वाशिंगटन चीन-

प्रभुत्व वाली खनिज आपूर्ति शृंखलाओं से बाहर निकलने के लिए नए स्रोत तलाश रहा है। फिर भी, रिकोडिक पर यह दाँव एक हाई-रिस्क जुआ माना जा रहा है।

यह भी देखने में आ रहा है कि रिकोडिक में अमेरिकी निवेश सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि यह भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर फेंकी गई भारी-भरकम चाल है। पाकिस्तान इसे बड़ी जीत बताकर छाती ठोक रहा है पर असलियत यह है कि अमेरिका ने यह पैसा दक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर इलाके में आग से खेलने के अंदाज में डाला है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्यों आया? सवाल यह है कि वह इतना देर से और इतनी जगह पर क्यों आया?

हम आपको बता दें कि यह निवेश उस समय हो रहा है जब बलूचिस्तान में विद्रोह चरम पर है। बलूच नेता साफ चेतावनियाँ दे रहे हैं कि यह निवेश उनके लिए शोषण का नया अध्याय है। बलूच नेता कह रहे हैं कि प्रांत में दशकों से मौजूद असंतोष और सैन्य दमन को देखते हुए कोई भी समझदार निवेशक पहले सौ बार सोचे। लेकिन अमेरिका ने शायद जानबूझकर जोखिम को स्वीकार कर लिया है। ऐसा लगता है कि यह सौदा पाकिस्तानी नहीं, बल्कि अमेरिकी एजेंडे का हिस्सा है। दरअसल, अमेरिका का असली मकसद है चीन को पछाड़ना। आज की सच्चाई यह है कि दुनिया में तांबा, सोना और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स नई सदी का तेल बन चुके हैं। चीन खासकर अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में इस क्षेत्र में भारी पकड़ बना चुका है। अमेरिका बड़ी तेजी के साथ नए स्रोत ढूँढ़ रहा है और पाकिस्तान का रिकोडिक, जो तिब्बती-ईरानी खनिज बेल्ट का हिस्सा है वह अमेरिकी रणनीति में एक खूबसूरत चेकमेट जैसा दिखता है। इसके साथ ही बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व इस कदम को और तीखा बनाता है। ईरान की सरहद पास है, अफगानिस्तान की अनिश्चितता बगल में है, चीनझ्पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) ठीक सिर के ऊपर है। ऐसे में अमेरिका एक ही प्रहार में चीन को संकेत देता है कि हम अभी भी आपके बगल में मौजूद हैं और आपके बंदरगाह (ग्वादर) के पीछे की जमीन पर निवेश करने की ताकत रखते हैं। वहीं पाकिस्तान इस निवेश को आर्थिक राहत समझ रहा है, लेकिन असल में वह एक रणनीतिक जाल में फँसता दिख रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियों का इतिहास बताता है कि वह बलूचिस्तान को सेना-प्रभुत्व वाला इलाका मानती हैं। पर विदेशी निवेश वहीं चलता है जहाँ जनता को न्यूनतम सहमति या सुरक्षा मिले। यह दोनों ही पाकिस्तान के पास नहीं हैं। रिकोडिक के लिए न रेल लाइन है, न स्थायी सड़कें, न विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र। ऊपर से बलूचिस्तान में हर विदेशी निवेश, चाहे चीनी हो, सऊदी हो या अब अमेरिकी, यह विद्रोही गुटों का प्राथमिक निशाना बन जाता है। सवाल उठता है कि कनाडा की बैरिक गोल्ड इतने वर्षों में हिल-डुल भर नहीं सकी तो अमेरिका किस आत्मविश्वास से यहां आ रहा है?

अमेरिका के इस क्षेत्र में आने से यह भी आशंका है कि चीनझ्अमेरिका प्रतिस्पर्धा नई तीव्रता पर पहुँचेगी। दरअसल, अमेरिका रिकोडिक को चीन की आपूर्ति शृंखला का प्रभुत्व तोड़ने के लिए इस्तेमाल करेगा। ऐसे में पाकिस्तान दोनों महाशक्तियों के बीच रस्साकशी में फँस जाएगा। इस परियोजना से ईरान भी असहज होगा क्योंकि अमेरिका समर्थित विशाल रणनीतिक परियोजना उसकी सीमा के ठीक पास उभरना तेहरान को बिल्कुल रास नहीं आएगा। साथ ही अमेरिकी परियोजना से अफगानिस्तान का प्रभाव भी बढ़ेगा क्योंकि इसकी सुरक्षा और आपूर्ति रूट तालिबान द्वारा नियंत्रित इलाकों के बेहद करीब हैं। तालिबान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। साथ ही इस परियोजना से बलूच विद्रोह को नई ऊर्जा मिलेगी। विदेशी निवेश उनके लिए हमेशा दमन के नए प्रतीक के रूप में देखा गया है। परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति और बिगड़ सकती है।

बहरहाल, यह निवेश पाकिस्तान के लिए आर्थिक संजीवनी नहीं बल्कि शक्ति के वैश्विक खेल में एक गैंबलिंग चिप है। अमेरिका को चाहिए क्रिटिकल मिनरल्स, पाकिस्तान को चाहिए डॉलर, लेकिन बलूचिस्तान को चाहिए न्याय, अधिकार और सुरक्षा जो किसी भी सौदे में शामिल नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रिकोडिक आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया की नई भू-रणनीतिक लड़ाई का केंद्र बन सकता है। साथ ही अगर पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की राजनीतिक समस्या को सैन्य तरीके से संभालने की भूल जारी रखी, तो अमेरिकी निवेश भी उसी तरह डूबेगा जैसे पहले के तमाम विदेशी प्रोजेक्ट डूब चुके हैं। यह सही है कि अमेरिका ने एक बड़ा दाँव लगाया है लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह दाँव जितना चमकदार दिखता है, उतना ही बारूद के ढेर पर रखा हुआ है।

अमरोहा
हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

ऑपरेशन क्लीन 2 के अन्तर्गत थाना डिडोली में कुल 30 मालमुकदमाती वाहनो को किया गया नीलाम की निलामी की गयी

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 282 वाहनों को किया गया नीलाम

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं। इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं । जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद अमरोहा में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलित है।

गुरुवार को क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक कुमार, प्रभारी थाना डिडौली हरिषवर्धन सिंह, नयाब तहसीलदार की गठित कमेटी द्वारा थाना डिडौली में कुल 30 मालमुकदमाती वाहनो (21 वाहन दो पहिया व 09 वाहन चार पहिया) की नीलामी थाना डिडौली परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी । जिससे नीलामी की धनराशि कुल ड्13,10,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

डीएम ने विधानसभा धनौरा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर जनपद में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा धनौरा विधानसभा में विभिन्न बूथों पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि अगर किसी कारणवश किसी मतदाता की मैपिंग नहीं हो पाई अगर वो अपना सही विवरण लेकर आ रहा है तो उसको जांच कर फीड कर दिया जाए। इसके अतिरिक्त किसी का विवरण गलत भरा गया हो तो उसकी सही जानकारी प्राप्त कर संशोधन कर दें। उन्होंने आज को बूथों पर होने वाली बैठक के बारे में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव सहित संबंधित उपस्थित रहे।

डिडौली क्षेत्र में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ एवं यातायात अनुशासन अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात पुलिस टीम द्वारा संभल चौराहा,हाईवे व जोया पुल के ऊपर एवं नीचे व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुल के दोनों ओर फैले अवैध अतिक्रमण, सड़क पर खड़े ठेले, अनावश्यक अवरोध एवं अव्यवस्थित रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाया गया। यातायात पुलिस ने पाया कि पुल के आस-पास अनावश्यक रूप से खड़े वाहन यातायात बाधित कर रहे थे और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ा रहे थे। इस पर एमवी एक्ट के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई करते हुए अनियमित रूप से खड़े वाहनों का चालान किया गया तथा उन्हें तत्काल हटवाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर मौजूद वाहन चालकों और राहगीरों को यातायात नियमों के पालन, निर्धारित पार्किंग स्थलों के उपयोग तथा सड़क पर अतिक्रमण न करने के लिए जागरूक किया। अमरोहा यातायात पुलिस ने स्पष्ट कहा है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में सुचारू एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

हिमाचल ड्रग कनेक्शन: अमरोहा के दो मेडिकल स्टोर पर लटकी लाइसेंस रद होने की तलवार

अमरोहा। हिमाचल में नशे की दवाओं के पकड़े जाने का कनेक्शन अमरोहा से जुड़ गया है। यहां दो मेडिकल स्टोर संचालकों ने नशीली दवाएं खरीदी थीं। बगैर बताए संचालक खामोशी से गायब हो गए हैं। नोटिस का जवाब नहीं दिए जाने पर विभाग ने दोनों मेडिकल स्टोर पर नोटिस चस्पा कर दिया है। जल्द ही उनके लाइसेंस को निरस्त करने की कार्रवाई होगी। हैरानी की बात ये है कि एक संचालक महाराष्ट्र तो दूसरा दिल्ली का रहने वाला है। यहां पर उन्होंने किराए पर दुकान लेकर रखी थी और दवा का कारोबार कर रहे थे। गत 27 अगस्त को हिमाचल प्रदेश के जनपद ऊना के औषधि निरीक्षक पंकज गौतम ने एएनटीएफ टीम के साथ ऊना नंगल रोड रक्कड कालोनी ऊना के साथ मिलकर मैसर्स रैपिड रिलीफ मेडिकोज पर छापा मारा था और यहां से नशीली टेबलेट कोविटाडोल-100 एसआर के 55 पत्ते बरामद किए थे। दवाई के रेपर पर निमार्ता कंपनी का नाम पीबी लाइफ साइंसेज सोलन बद्दी हिमाचल प्रदेश अंकित मिला। जिस पर टीम ने कंपनी के अधिकारियों से बातचीत की। इसमें पता चला कि कंपनी ने टेबलेट के 490 पत्ते मैसर्स एएस फार्मा व 507 मैसर्स केयर मेडिकोज स्थित मुहल्ला चौधरियान वार्ड दो कस्बा जोया जिला अमरोहा को विक्रय किया है। जिसकी सूचना ऊना औषधि निरीक्षक ने सहायक आयुक्त मुरादाबाद अरविंद गुप्ता व जिला में तैनात औषधि निरीक्षक रूचि बंसल को दी। इसके बाद ड्रग्स इंस्पेक्टर ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। निरीक्षण में उनको दोनों मेडिकल स्टोर बंद मिले। इसके बाद उन्होंने गत 19 सितंबर को मैसर्स केयर मेडिकोज फर्म स्वामी को उनके आधारकार्ड पर अंकित नाम व पते गगनदीप पुत्र नरेंद्र पाल निवासी डी-353 पीरागढ़ी कैंप शकूर बस्ती, डिपो उत्तर पश्चिम दिल्ली-110056 व फर्म मैसर्स ए.एस. फार्मा के स्वामी आदित्य कुमार गिरी पुत्र उमेश गिरी निवासी प्रथमेश आर्केड, फ्लैट नंबर 203,प्लाट नंबर 202, सेक्टर तीन, उलवे, पनवेल रायगढ़ महाराष्ट्र, 410206 पर नोटिस भेजा लेकिन, उनके द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। मोबाइल पर संपर्क किया तो प्राप्तकर्ता ने नोटिस लेने से इन्कार कर दिया। दो नोटिस जारी होने के बाद भी जब जवाब नहीं आया तो औषधि निरीक्षक 28 नवंबर को मौके पर पहुंची। दोनों मेडिकल स्टोर बंद मिले। फर्म स्वामी के मोबाइल पर संपर्क किया तो वह भी बंद पाए गए। इसके बाद उन्होंने दोनों मेडिकल स्टोर पर कारण बताओ नोटिस चस्पा करवा दिया। बकौल औषधि निरीक्षक- दोनों फर्म के खिलाफ लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही लाइसेंस निरस्त कर दिए जाएंगे। जांच में पता कि चार माह से गायब हैं फर्म स्वामी औषधि निरीक्षक ने बताया कि जब वह कस्बा जोया स्थित दोनों मेडिकल स्टोर पर पहुंची तो दुकान के मालिक भी आ गए थे। पूछताछ में उन्होंने जानकारी दी कि चार माह से दोनों दुकानें बंद हैं। फर्म स्वामी का भी कोई अता-पता नहीं है। संपर्क की कोशिश की गई लेकिन, मोबाइल बंद आए। नारकोटिक्स की टीम को भी नहीं मिले नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों की तलाश में दिल्ली से नारकोटिक्स की टीम भी गत नवंबर माह में कस्बा जोया के मुहल्ला चौधरियान आई थी लेकिन, दोनों दुकानों के बंद करने और आस पड़ोस के लोगों से पूछताछ कर वापस लौट गई थी। किरायानामा से हासिल कर लिया था होलसेल का लाइसेंस दोनों फर्म स्वामियों ने नशीली दवाओं के कारोबार के लिए बहुत ही शातिरपन से काम लिया। दुकानों को किराए पर लिया और उसके सहारे विभाग में होलसेल के लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया। दस्तावेज सही पाए जाने के बाद विभाग ने भी उनको लाइसेंस जारी कर दिया। करीब सात माह से दोनों मेडिकल स्टोर चल रहे थे।

हत्या जैसे संगीन मामलों में सक्रिय गिरोह को पुलिस ने किया बेनकाब,8 अपराधी "हत्यारा गैंग" के रूप में पंजीकृत

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने जिले में हत्या जैसे संगीन अपराधों को अंजाम देने वाले 8 अपराधियों के एक खतरनाक गिरोह का पदार्फाश करते हुए गिरोह को जनपद स्तर पर "हत्यारा गैंग" के रूप में पंजीकृत किया है। जिसकी पंजीकरण संख्या डी-132/जे0/2025(अमरोहा) निर्धारित की गई है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार किया गया है। बता दें कि कोतवाली गजरौला की रिपोर्ट के मुताबिक इस गिरोह का सरगना मनोज पुत्र शीशराम उम्र करीब 43 वर्ष निवासी ग्राम वारसाबाद अपने साथियों के साथ मिलकर अमरोहा सहित आसपास के क्षेत्र में आर्थिक और भौतिक लाभ कमाने के लिए हत्या एवं गंभीर अपराधों को अंजाम देता था पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इन सभी 8 अपराधियों पर कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज है और अपराध करने की उनकी शैली पूरी तरह संगठित पाई गई है। हत्यारा गैंग के 8 सदस्यों में गिरोह के सरगना मनोज सहित राजवीर पुत्र शीशराम निवासी ग्राम वारसाबाद थाना गजरौला,नकुल पुत्र सगुवा निवासी ग्राम पाल थाना गजरौला, अंकित पुत्र सतपाल निवासी ग्राम पाल थाना गजरौला, जॉन उर्फ योगेश पुत्र शेर सिंह निवासी मौहल्ला बस्ती चौहानपुरी थाना गजरौला, गौरव पुत्र टेकचंद निवासी बस्ती चौहानपुरी थाना गजरौला, राजकुमार पुत्र जयपाल सिंह निवासी बस्ती चौहानपुरी थाना गजरौला, रमन पुत्र गजराम निवासी ग्राम मझोला थाना गजरौला।

पुलिस का कहना है कि सभी अभियुक्त लंबे समय से हत्या एवं अन्य गंभीर अपराधों में सक्रिय थे, उनके आपराधिक इतिहास और गैंगबद्ध गतिविधियों को देखते हुए गिरोह को आधिकारिक रूप से "हत्यारा गैंग" घोषित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरोह की गतिविधियों की निगरानी बढ़ा दी गई है और आगे भी ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

25 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को घर से निकाला, पति समेत चार पर एफआईआर दर्ज

गजरौला। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक विवाहिता ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करके घर से निकालने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसके बाद पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक युवती की शादी 18 अप्रैल 2024 को जनपद अमरोहा के बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव हाफिजपुर निवासी गुरदीप सिंह के साथ हुई थी। युवती के पिता ने महंगी गाड़ी, 15 लाख रुपए नकद और गहने आदि समेत लगभग एक करोड़ रुपए का व्यय किया था। शादी के कुछ समय तक तो विवाहिता के प्रति पति और ससुराल पक्ष के लोगों का रवैया ठीक रहा मगर धीरे धीरे उन्होंने विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि 25 लाख रुपए नकद की मांग पूरी न करने पर विवाहिता को 7 जुलाई 2025 को घर से निकाल दिया। इसके बाद भी विवाहिता के स्वजन ने पति व ससुराल पक्ष के लोगों को समझा बुझाकर मामला निबटाने का प्रयास किया मगर कोई नतीजा नहीं निकला। जिसके बाद विवाहिता ने बुधवार की शाम को कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी।

जिसके बाद पुलिस ने पति गुरदीप सिंह, देवर दीपेंद्र सिंह डागर, सास ममता देवी व ससुर राजीव कुमार के विरूद्ध संबधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

गजरौला में छाया सर्दियों का पहला कोहरा, नेशनल हाईवे 9 पर थमी वाहनों की रफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में गुरुवार को सुबह के समय सर्दियों के पहले कोहरे ने अपनी दस्तक दे दी है। गुरुवार को गजरौला में ही नहीं बल्कि पूरे जिले में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। जिस कारण ग्रामीण क्षेत्र एवं नेशनल हाईवे 9 पर भी कोहरे की मोटी चादर बिछी रही। बता दें कि गुरुवार को सुबह के समय छाए घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे 9 पर विजिबिलिटी लगभग शून्य ही रही ,जिससे वाहनों की रफ्तार भी थमती दिखाई दी। कोहरे के कारण तेज रफ्तार बाहन जहां-तहां रुक गए और यातायात धीमी गति से रैंगने लगा। वाहन चालकों को पार्किंग लाइट और हेडलाइट की सहायता लेकर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ना पड़ा। फोग तीव्रता के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है जिसके चलते पुलिस ने मार्ग पर लगातार निगरानी बढ़ा दी है। सीजन के पहले कोहरे के कारण अमरोहा में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जबकि अधिकतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया। इस ठंड से जहां स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं किसानों को इस ठंड के पड़ने से राहत मिली है। किसानों के मुताबिक यह ठंड गेहूं की फसल के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में ठंड की और अधिक बढ़ने की संभावना है।

तीन साल तक अफेयर के बाद शादी से मुकरा प्रेमी तो थाने पहुंच गई प्रेमिका, पंचायत ने कराया दोनों का निकाह

अमरोहा। तीन साल तक चले प्रेम प्रसंग के बाद प्रेमी शादी से मुकर गया। लिहाजा प्रेमिका कोतवाली पहुंच गई तथा तहरीर दे दी। मामला बिगड़ता देख प्रेमी के स्वजन दोनों का निकाह कराने को राजी हो गए। देर रात दोनों का निकाह करा दिया गया। यह मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मुहल्ला का है। यहां रहने वाले मजदूर की बेटी का प्रेम प्रसंग तीन साल पहले मुहल्ले में ही रहने वाले युवक से शुरू हो गया था। युवक भी मजदूरी करता है। दोनों मोबाइल काल पर बात करने लगे तथा उसके बाद एक दूसरे से मिलने भी लगे। प्रेमी ने युवती को शादी का झांसा दिया। आरोप है कि दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बन गए। तीन साल तक चले प्रेम प्रसंग के बाद अब प्रेमी शादी से मुकरा तो युवती ने स्वजन को सारी बात बता दी। बुधवार को वह स्वजन के साथ कोतवाली पहुंची तथा प्रेमी के विरुद्ध तहरीर दे दी। उसने दोनों के साथ मोबाइल में कैद फोटो भी पुलिस को दिखाए। अभी पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई करती, इसके पहले ही प्रेमी के स्वजन भी कोतवाली पहुंचे तथा दोनों का निकाह कराने की रजामंदी दे दी। ऐसे में पुलिस ने कार्रवाई न करते हुए दोनों को वापस भेज दिया। देर रात मुहल्ले में ही दोनों का निकाह करा दिया गया। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि दोनों पक्ष निकाह के लिए राजी हो गए थे।

शहर का नाम रोशन करने पर हिजाब चौधरी को किया सम्मानित

हसनपुर/ अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के पदाधिकारी गण अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल रूहेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय महासचिव तथा हसनपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता, वरिष्ठ साहित्यकार एवं शायर मुजाहिद चौधरी के घर पहुंचे और उनकी पुत्री हिजाब चौधरी को एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के फिजियोथेरेपी की स्नाकोत्तर परिक्षा (एम.पी. टी.) में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर बुके भेंटकर सम्मानित किया। अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि बेटी हिजाब चौधरी ने अपने परिवार के साथ साथ शहर हसनपुर का नाम रोशन किया है । बताया कि एमिटी विश्वविद्यालय में संपन्न वार्षिक दीक्षांत समारोह में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुख्य आतिथ्य तथा वर्चुअल संबोधन के उपरांत विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर श्रीमती प्रो. बलविंदर कौर शुक्ला तथा विभाग अध्यक्ष प्रो. जसवंत सेठी द्वारा हिजाब चौधरी को सिल्वर मेडल, प्रशस्ति पत्र तथा डिग्री प्रदान की गयी । हिजाब चौधरी ने उल्लास और जोश से लबरेज अपने परिणाम पर प्रसन्नता और संतुष्टि व्यक्त की । उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को अपने माता-पिता तथा अपने दादा / क्षेत्र के लोकप्रिय व्यक्तित्व,वरिष्ठ समाजसेवी तथा शिक्षा प्रेमी बाबूजी मुनाजिर हुसैन को समर्पित करते हुए ईश्वर सहित समस्त बाबू जी परिवार तथा एमिटी विश्वविद्यालय का धन्यवाद ज्ञापित किया । इस उपलब्धि से पूरे परिवार के साथ साथ शहरवासियों में भी खुशी का माहौल है । हिजाब चौधरी और उनके परिवारजनों को निरंतर बधाइयां मिल रही हैं। कहा कि बेटी की उपलब्धि पर गर्व है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता मुजाहिद चौधरी,लुबना खान,संघ के महासचिव विनोद कुमार गौतम, करणवीर सिंह, जगबीर सिंह मौर्य,सोम सिंह, जयवीर सिंह, कमल सिंह,जसवंत सिंह, सुरेश सिंह,राजाराम, ब्रह्मज्ञान, संजीव कुमार आदि मौजूदरहे।

धनौरा क्षेत्र में नाबालिक छात्रा लापता,परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने की गुमशुदगी दर्ज

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं क्षेत्र स्थित एक कॉलेज में पढ़ने वाली 17 वर्षीय नाबालिक छात्रा लापता हो गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार छात्रा कॉलेज पढ़ने गई थी लेकिन छुट्टी के बाद शाम तक घर नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने छात्रा की गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि पूरा मामला बछरायूं थाना क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लापता छात्रा धनौरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है और बछरायूं क्षेत्र स्थित एक कॉलेज में पढ़ने जाती थी। छुट्टी के बाद जब वह घर नहीं पहुंची तो परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू कर दी। परिजनों ने छात्रा की तलाश में काफी खोजबीन की, उन्होंने रिश्तेदारों और अन्य संभावित स्थानों पर भी पता लगाया लेकिन छात्रा का कहीं कोई सुराग नहीं मिल सका। छात्रा के अचानक गायब हो जाने से परिजन काफी परेशान है। वहीं इस मामले में लापता छात्रा के परिजनों ने बछरायूं थाने में छात्रा की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है ,जिसके बाद पुलिस भी छात्रा की तलाश में पूरी तरह जुटी हुई है लेकिन अभी तक कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है। इस संबंध में बछरायूं थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार तोमर ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी को दर्ज कर लिया गया है उन्होंने पुष्टि की है की छात्रा की तलाश जारी है।

पीआरडी का 77 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

पीआरडी के जवान पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी ड्यूटी का कर रहे निर्वहनः- विनीत सिद्धू

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के तत्वाधान में पीआरडी का 77 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मिनी स्टेडियम बहजोई में आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी के प्रतिनिधि परियोजना निदेशक ज्ञान सिंह एवं विशिष्ठ अतिथि नगर पालिका बहजोई के चेयर मैन राजेश शंकर राजू ने जवानों की परेड की सलामी ली। परेड का नेतृत्व बी ओ पीआरडी चित्रवीर सिंह ,अनुज कुमार एवं नितिन कुमार ने किया। मुख्य अतिथि ने परेड के अनुशासन की प्रशंसा करते हुए समस्त बी ओ पी आर डी और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी तथा पी आर डी स्वयंसेवकों के द्वारा सुरक्षा ,शांति व्यवस्था, दैवीय आपदा और चुनाव ड्यूटी में निभाई जा रही भूमिका को सराहा।

चेयरमैन बहजोई ने सभी पी आर डी स्वयंसेवकों को हर परिस्थिति में पुलिस के सहयोगी के रूप में कार्य करने के लिए सराहा।

प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिद्धू ने बताया कि पीआरडी की स्थापना सन 1948 में हुई थी तब से पीआरडी के जवान पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रहे हैं। परेड में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टोलियों को पुरस्कृत किया गया पीआरडी जवानों के बीच कबड्डी और रस्सा कसी की प्रतियोगिताएं हुई जिनमें विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला कीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती , बीओ पीआरडी जगजीत सिंह एवं एन सी सी प्रभारी कुमारी ऋतु उपस्थित रहे तथा मंच संचालन डॉक्टर राजीव कुमार वार्ष्णेय के द्वारा किया गया।

अब राशनकार्ड से जुड़े 6 बड़ी सेवाएँ घर बैठे ऑनलाइन, कोटेदार-आपूर्ति कार्यालय के चक्कर खत्म

संभल/(सब का सपना):- खाद्य एवं रसद विभाग, प्रदेश के करोड़ों राशनकार्ड धारकों को बड़ी राहत दी है। अब राशनकार्ड में विभाजन, यूनिट स्थानांतरण, राशनकार्ड स्थानांतरण, समर्पण, यूनिट निरस्तीकरण और कार्डधारक की मृत्यु होने पर मुखिया परिवर्तन जैसी 6 प्रमुख सेवाएँ पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई हैं। आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय के अनुसार ये सभी सेवाएँ विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://www. fcs.up.gov.in के पब्लिक डोमेन पर आमजन के लिए उपलब्ध करा दी गई हैं। अपना राशनकार्ड नंबर और उससे लिंक्ड मोबाइल नंबर डालकर लॉग-इन करें। आधार से जुड़े मोबाइल पर आने वाले डळढ से वेरिफिकेशन करें। संबंधित सेवा चुनकर ऑनलाइन आवेदन सबमिट करें। आवेदन सीधे सक्षम अधिकारी (जिला पूर्ति अधिकारी/आपूर्ति निरीक्षक) की लॉग-इन पर पहुँच जाएगा और नियमानुसार 15 दिन के अंदर उसका निस्तारण करना अनिवार्य होगा। अब नहीं लगाने पड़ेंगे आपूर्ति कार्यालय के चक्कर विभाग का कहना है कि इन सुविधाओं के शुरू होने से राशनकार्ड धारकों को अनावश्यक रूप से कोटेदार या आपूर्ति कार्यालय के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पूरा काम घर बैठे मोबाइल या साइबर कैफे से हो जाएगा।

विभाग ने सभी जिलाधिकारियों व जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में इस नई व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तत्काल प्रभाव से करवाएँ, ताकि अधिक से अधिक राशनकार्ड धारक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं-बालिकाओं को बनाया जा रहा सशक्त व सुरक्षित

संभल (सब का सपना):- पुलिस के सशक्त अभियान मिशन शक्ति 5.0 नारी शक्ति का नया आयाम के फेज-5 के तहत जनपद सम्भल में आज व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में महिला पुलिसकर्मियों की टीमों ने थाना क्षेत्रों में चौपालें आयोजित कीं और प्रमुख बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों व धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं व बालिकाओं को उनकी सुरक्षा व स्वावलंबन से जोड़ा। महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं व महिलाओं से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाया। साथ ही शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। एंटी रोमियो टीमों ने भी सक्रियता दिखाते हुए सार्वजनिक स्थानों पर घूम-घूमकर पम्पलेट वितरित किए और महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया।

महिला पुलिसकर्मियों ने मोबाइल पर पैनिक बटन व इमरजेंसी कॉल की लाइव डेमो भी दिखाई ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद ली जा सके।

एस आई आर कार्यक्रम के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस आई आर) कार्यक्रम के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अंतर्गत अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस आई आर) की घोषित तिथियां को 15 दिन और बढाते हुए पुनः संशोधित तिथियां आयोग द्वारा जारी कर दी गई हैं उन्होंने बताया कि संशोधित तिथियां के अनुसार 26 दिसंबर 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है । उन्होंने बताया कि निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन अब 31 दिसंबर 2025 को होगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। तथा 31 दिसंबर 2025 से 21 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा तथा उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 28 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में जनप्रतिनिधियों का अच्छा सहयोग रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में एसआईआर के अन्तर्गत शतप्रतिशत डिजिट लाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा मैपिंग का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद पूरे प्रदेश में पांच जनपदों में शामिल रहा है जिन्होंने शीघ्र ही शत प्रतिशत डिजिटलाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया है। एएसडी वोटर को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।। जिलाधिकारी ने कहा कि जो लोग विदेश में रह रहे हैं उनके लिए फॉर्म 6 ए के माध्यम से वोट जोड़ा जाएगा। विदेश में पढ रहे, नौकरी कर रहे , व्यवसाय कर रहे हैं ओवरसीज वोटर के अन्तर्गत आते हैं। फॉर्म पर शत प्रतिशत नयी एवं रंगीन फोटो होनी चाहिए । जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ, बीएलए एवं कोटेदार, लेखपाल, रोजगार सेवक, बीट प्रभारी आदि बूथ का शत प्रतिशत सत्यापन करना सुनिश्चित करें।अगर कोई व्यक्ति गलत सूचना देता है

तो उसपर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज, विधायक सम्भल इकबाल महमूद, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू एवं जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी असगर अली अंसारी एवं अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार, क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ प्रदीप कुमार सिंह एवं समस्त संबंधित खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।। एकीकृत बागवानी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, पीएम कुसुम योजना, बीज डीबीटी, प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, आर ई डी विभाग के अन्तर्गत भवन निर्माण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत एम्बुलेंस सेवा 102 एवं 108 की समय सीमा को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा कम रैंक रहने पर नोडल अधिकारी डॉ विश्वास अग्रवाल को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा एफएचटीसी के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। फार्मर रजिस्ट्री तथा फैमिली आईडी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन की रैंक कम रहने पर जिला समन्वयक पंचायती राज को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए । पर्यटन विभाग, सामाजिक वानिकी,अण्डा उत्पादन, गौवंश संरक्षण, मत्स्य उत्पादन, सेतु निर्माण, पोषण अभियान, कन्या सुमंगला, प्रोजेक्ट अलंकार तथा राजकीय विद्यालय लहरावन एवं राजपुर राजकीय विद्यालय को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए श्रम विभाग विभाग के अंतर्गत चलने वाली विभिन्न प्रकार की योजनाओं को लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि मनरेगा श्रमिकों का भी पंजीकरण श्रम विभाग के अंतर्गत कराना सुनिश्चित करें। ओडीओपी के अन्तर्गत रैंक कम रहने पर संबंधित अधिकारी का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत शासनम अनुशासनम् के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के इस माह आये शासनादेशों पर चर्चा की गयी।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रीति यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह एवं जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

सचिवालय में नौकरी के नाम पर ठग लिए 5 लाख

गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र के साथ 5 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 5 लाख रुपये लिए। लखनऊ बुलाकर ट्रेनिंग भी कराई। इसके बाद 10 साल तक झूठ बोलकर छात्र को दौड़ाते रहे। पैसा वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। प्रज्ञानगर नई कालोनी निवासी देव प्रकाश पांडेय की तहरीर पर बुधवार को रामगढ़ताल थाने में पीपीगंज भरोहिया के प्रभाकर मिश्र उर्फ रिंकू, शाहपुर एल्युमिनियम फैक्ट्री कृष्णा नगर कालोनी निवासी अखिलेश दूबे और देवरिया के एकौना थाना क्षेत्र के रकहट निवासी दुर्गेश पांडेय के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा लिखा गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। देव प्रकाश पांडेय ने बताया कि वर्ष 2015 में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इस दौरान मेरे रिश्तेदार प्रभाकर मिश्र उर्फ रिंकू ने मुझे नौकरी दिलाने की बात कही। उन्होंने बताया कि सचिवालय में बहुत अच्छा जुगाड़ है। 5 लाख रुपये में नौकरी लग जाएगी। वहां एक चैनल के माध्यम से काम होता है। देव प्रकाश ने बताया कि प्रभाकर ने मेरी मुलाकात कृष्णा नगर कालोनी के अखिलेश दूबे से कराई। इसके बाद दोनों लोगों ने बताया कि सारी बातें हो गई हैं। यह कहते हुए सारे प्रमाण पत्र मांगे। मैंने उन्हें अपने सारे प्रमाण पत्रों की फोटो कॉपी दे दिया। 10 जून 2015 को अखिलेश और प्रभाकर घर पर आए। प्रभाकर ने कहा कि एक लाख रुपये तत्काल अखिलेश के खाते में डाल दीजिए। मैंने उनके खाते में पैसे भेज दिए। इसके बाद प्रभाकर ने अपने खाते में 49,500 रुपये जमा कराए। प्रभाकर और अखिलेश ने 14 जून 2015 को यूपी डेस्को कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र दिए। जिसमे पेपर सत्यापन 30 जुलाई 2015 तक कराना था। नियुक्ति पत्र पर 8 अगस्त 2015 को नौकरी ज्वाइन करने की डेट लिखी थी। इसके बाद जल्दी-जल्दी जिला अस्पताल से मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाया। देव प्रकाश ने बताया कि प्रभाकर और अखिलेश ने बताया कि 3.50 लाख लेकर लखनऊ चलना है। वहां सचिवालय में देना पड़ेगा। इसके बाद 15 दिन की ट्रेनिंग कराई जाएगी। इसके बाद दोनों स्विफ्ट कार लेकर आए। उनके साथ कार से लखनऊ गया। वहां हुसड़िया चौराहे पर एक होटल में लेकर गए। सुबह होटल में देवरिया का दुर्गेश पांडेय आया। अखिलेश ने बताया कि दुर्गेश सचिवालय के अधिकारी हैं। कहने पर दुर्गेश को 3.50 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद दुर्गेश ने 15 दिन की ट्रेनिंग कराने के लिए कहा। लखनऊ के सीएमएस कॉलेज के बगल में एक कंप्यूटर सेंटर पर 3-4 दिन ट्रेनिंग दी गई। वहां पूछने पर पता चला कि यह फर्जी ट्रेनिंग है। इसके बाद मैंने प्रभाकर और अखिलेश को कॉल की। उनका फोन नहीं मिला। तब निराश होकर घर चला आया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गरीब महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन शुरू

संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद संभल में महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। जनपद बिजनौर से 20 आईसीआरपी टीमें जनपद संभल पहुंचीं, जिन्हें बनियाखेड़ा ब्लॉक में विस्तृत ब्रीफिंग प्रदान की गई। इन टीमों का मुख्य कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन करना होगा, जो आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। ब्रीफिंग सत्र के दौरान उपायुक्त ने टीमों को लक्षित ग्राम पंचायतों, समूह गठन की प्रक्रिया तथा 15 दिनों की कार्ययोजना पर विस्तार से मार्गदर्शन किया। ब्रीफिंग के बाद इन 20 टीमों को विभिन्न ब्लॉकों में तैनात कर दिया गया है। इनमें से 10 टीमें बनियाखेड़ा ब्लॉक, 4 टीमें बहजोई, 3 टीमें जूनावई तथा शेष 3 टीमें रजपुरा ब्लॉक के चिन्हित ग्राम पंचायतों में भेजी गई हैं। प्रत्येक टीम ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिनों तक डेरा डालेगी और वहां की गरीब महिलाओं को एकजुट कर समूहों का निर्माण करेगी।

जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी के नेतृत्व में किसानों ने उपजिलाधिकारी संभल को सौंपा ज्ञापन

16 दिसंबर को ब्लॉक परिसर में भ्रष्टाचार के खिलाफ पंचायत का किया जाएगा आयोजनः- कामेंद्र चौधरी

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा जिला उपाध्यक्ष संभल मिंकू चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने उपजिलाधिकारी संभल को ज्ञापन सोपा ! जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ किसान व आवाम को जिला स्तर पर फैले भ्रष्टाचार एवं अधिकारियों की उदासीनता, लापरवाही के कारण नही मिल पा रहा है ! अतः संगठन द्वारा 16 दिसंबर दिन - मंगलवार को ब्लॉक परिसर संभल में दोपहर 12: 00 बजे से भ्रष्टाचार समाप्त कराने, पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने, किसानों की विभिन्न समस्याओं का निस्तारण कराने आदि को लेकर किसान पंचायत का आयोजन किया जाएगा ! ज्ञापन द्वारा बताया गया कि किसानों की समस्याओं के समाधान हेतू संबंधित विभागों से उपजिलाधिकारी संभल, तहसीलदार संभल, खंड विकास अधिकारी संभल, आपूर्ति निरीक्षक संभल, एस डी ओ जल मिशन, लेखपाल देवेन्द्र सैनी, लेखपाल खाबर हुसैन, ग्राम पंचायत सचिव देवेश कुमार, सचिव तोहिद मलिक आदि अधिकारी दोपहर 2 बजे तक पंचायत में उपस्थित हो ! अन्यथा संगठन आगामी निर्णय लेकर अनिश्चितकालीन धरना एवं आंदोलन को विवश होगा ! जिसकी पूर्णतः जिम्मेदारी शासन - प्रशासन की होगी ! मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, जिला महामंत्री (अ. मो.) इस्माइल खां, जिला मंत्री खेमपाल यादव, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार, ब्लाक महासचिव पवांसा श्रीपाल यादव, युवा तहसील प्रभारी अमानत अली एवं महिला मोर्चा से ब्लॉक महासचिव ननिहा देवी, ब्लॉक सचिव निशा देवी, भूरी देवी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

स्कूली बच्चों को शपथ दिलाकर बाल विवाह को रोकने का किया गया आहवान

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन ने चलाया अभियान

संभल(सब का सपना):- बाल अपराधों की रोकथाम और बाल विवाह एंव बाल मजदूरी व बाल तस्करी को रोकने के लिए लगातार जनपद सम्भल में जागकरूता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रयत्न संस्था के संयुक्त तत्वाधान में जनपद मे लगातार अलग-अलग स्थानो पर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर बाल अपराध मुक्त भारत एवं बाल अपराध मुक्त जनपद सम्भल बनाने के लिए स्कूली बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी कड़ी मे जिला प्रोवेशन अधिकारी चंद्रभूषण के निर्देशन में बृहस्पतिवार को पोटा बराही के उच्च प्राथमिक व प्राथमिक विद्यालयों में स्कूली बच्चों को शपथ दिलाकर बाल विवाह को रोकने का आहवान किया गया। साथ ही अन्य लोगों को भी इस बाल अपराध के खिलाफ जागरूक किया गया। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को बाल अपराधों के विषय में जानकारी देते हुए बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई और बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल विवाह की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 पर देनी है। जिससे की 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस अवसर पर फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद विद्यालय के इंचार्ज जमीर फात्मा, शगुफ्ता खान, रामचन्द्र सिंह ,हरिराम सिंह, , फरहा रहमान, सीमा कुमारी, गुलरियाज सोहनवीर आगनवाड़ी सुनिता सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कार में लाश लेकर 4 घंटे तक सड़कों पर घूमते रहे हत्यारे, कहां थी फरीदाबाद पुलिस?

दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। तुगलकाबाद में विकास मावी की हत्या के बाद, हत्यारे शव को कार में डालकर फरीदाबाद की सड़कों पर चार घंटे तक घूमते रहे, लेकिन किसी पुलिस नाके पर उन्हें रोका नहीं गया। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी शराब पीते हुए वापस तुगलकाबाद पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीमा पर चौकसी बढ़ाने की बात कह रही है। दक्षिणी दिल्ली। फरीदाबाद में अल-फलाह प्रकरण और लालकिला बम विस्फोट के बाद दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर सुरक्षा चौकसी की फिर पोल खुली है। छह दिसंबर की रात को तुगलकाबाद में विकास मावी की हत्या के बाद हत्यारोपी उसका शव कार में डालकर पुल प्रह्लादपुर क्षेत्र से सीमा पार करके सूरजकुंड रोड पहुंचे थे। हैरानी की बात ये है कि हत्यारोपी लाश को ठिकाने लगाने के लिए कार को सूरजकुंड गोल चक्कर से एमवीएन चौक, एमवीएन चौक से पाली चौक, पाली चौक से मांगर पुलिस चौकी के एरिया में करीब चार घंटे तक घूमते रहे। इस रूट पर चार पुलिस नाके हैं, कहीं किसी पुलिसकर्मी ने उन्हें रोका-टोका नहीं। इस रूट पर एमवीएन चौक और पाली चौक से धौज गांव तक भी रास्ता जाता है। लाल किला बम विस्फोट प्रकरण में लगातार आतंकियों की गिरफ्तारी हो रही है। देश भर की सभी जांच एजेंसियां मामले की तहकीकात में जुटी हैं, तब भी दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर लापरवाही का आलम चिंता का विषय है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विकास के हत्यारोपियों ने जब मांगर चौकी क्षेत्र के जंगल में शव को फेंकने के बाद भी शराब पी। शराब के नशे में ये लोग वापस उसी रास्ते तुगलकाबाद पहुंचे। फरीदाबाद पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से इन दिनों सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले, वाहनों में शराब पीने वालों के खिलाफ सख्त अभियान भी चलाया जा रहा है, लेकिन विकास के शव को दिल्ली से फरीदाबाद ले जाकर ठिकाने वाली बात ने उपरोक्त अभियान को भी धता साबित किया है। बता दें, दिल्ली के गांव तेखंड में रहने वाला विकास मावी छह दिसंबर की शाम को तुगलकाबाद में रहने वाले प्रवीण उर्फ पम्मी, केशव विधूड़ी, विशाल के साथ गांव के बारातघर में बैठकर शराब पी रहे थे। शराब पीते हुए चारों को करीब 11 बज गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक विकास अत्यधिक शराब पीने के बाद गालीगलौज देने लगता था।

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी भगोड़ा, आरोपी के कब्जे से बरामद हुआ कीमती सामान

पश्चिमी दिल्ली : पश्चिमी दिल्ली में द्वा-रका जिला पुलिस की एंटी-बर्गेलरी सेल टीम ने एक सक्रिय, भगोड़े और इनामी सेंधमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी नैम को द्वारका कोर्ट ने भगोड़ा अपराधी घोषित किया था, और उसकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का नकद इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस ने उसके मेरठ स्थित आवास से सोने के आभूषण और लगभग 80 ग्राम पिघला हुआ सोना बरामद किया है। पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका जिला पुलिस की एंटी-बर्गेलरी सेल टीम ने एक सक्रिय, भगोड़े और इनामी सेंधमार को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान नैम के रूप में हुई है जो जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश का निवासी है। आरोपी नैम को 16 मई को द्वारका कोर्ट ने भगोड़ा अपराधी घोषित किया था, और उसकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का नकद इनाम भी घोषित किया गया था। अधिकारी ने बताया कि लगभग एक साल पहले, शिकायतकर्ता सुभाष चंद पांडे के भारत वंदना अपार्टमेंट, सेक्टर 19, द्वारका स्थित आवास में सेंधमारी हुई थी। इसमें सेक्टर 23 थाने की पुलिस ने दो सेंधमारों वसीम उर्फ चपटा, फरजंद अली और एक सुनार मनीष को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन चोरी हुए आभूषण की बरामदगी बाकी थी। इसके बाद यह मामला एंटी-बर्गेलरी सेल को सौंप दिया गया। इंस्पेक्टर विवेक मैंडोला के नेतृत्व में, एसआई विनोद कुमार, एएसआई राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल अनिल, कांस्टेबल राहुल और आशीष की टीम ने आरोपितों के सहयोगी नैम और अकील की तलाश शुरू की और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की। इनाम घोषित होने के बावजूद टीम ने एक साल तक प्रयास जारी रखे। इसी दौरान सूचना मिली कि वांछित आरोपित नैम सीकर जेल (राजस्थान) में एक अन्य सेंधमारी के मामले में बंद है। प्रॉडक्शन वारंट प्राप्त करने के बाद नैम को गिरफ्तार किया गया। दो दिन की पुलिस हिरासत के दौरान, नैम की निशानदेही पर उसके मेरठ स्थित आवास से सोने के आभूषण और लगभग 80 ग्राम पिघला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसका कुल वजन लगभग 100 ग्राम है। पूछताछ में पता चला कि शादी के बाद नैम को शराब और जुए की लत लग गई थी, जिसके चलते उसने अपना पैतृक घर बेच दिया और भारी कर्ज ले लिया। कर्ज के दबाव में उसने वसीम, फरजंद अली और अकील के साथ मिलकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सेंधमारी शुरू कर दी। नैम पहले से ही आर्म्स एक्ट, सेंधमारी और घरों में चोरी के 6 अन्य मामलों में शामिल रहा है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने तीन जोड़ी सोने की बालियां, तीन सोने की अंगूठियां, दो सोने के लॉकेट, दो जोड़ी सोने के टॉप्स, एक सोने का झुमका और लगभग 80 ग्राम पिघला हुआ सोना बरामद की है।

2018 से बिना वीजा के दिल्ली में रह रहे दो विदेशी नागरिक गिफ्तार, पुलिस ने लामपुर हिरासत केंद्र भेजा

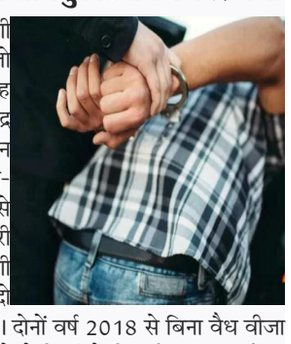

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जो 2018 से बिना वीजा के दिल्ली में रह रहे थे। दोनों को लामपुर हिरासत केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस ने आव्रजन नियमों के उल्लंघन के आरोप में यह कार्रवाई की। विदेशी नागरिक लंबे समय से अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। बाहरी दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला की विदेशी सेल ने देश में अवैध रूप से रह रहे दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दोनों वर्ष 2018 से बिना वैध वीजा के भारत में ठहरे हुए थे। पुलिस ने उन्हें क्षेत्रीय विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) में पेश करने के बाद निर्वासन प्रक्रिया के तहत लामपुर स्थित हिरासत केंद्र भेज दिया है। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि पांच दिसंबर को विदेशी सेल की टीम गश्त पर थी। निरीक्षक विपिन कुमार के नेतृत्व में मुखर्जी नगर क्षेत्र में दो संदिग्ध विदेशी नागरिकों को रोका गया। जांच के दौरान पता चला कि उनमें से एक आइवरी कोस्ट का निवासी बी. थिएरी डीजेओ है, जबकि दूसरा नाइजीरिया का रहने वाला गाडपावर इकेचुकवु मूसा है। दस्तावेज नहीं दिखा पाए पुलिस ने जब दोनों से उनके वैध यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा, तो वे कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सके। जांच में यह भी पुष्टि हुई कि दोनों के वीजा की अवधि वर्ष 2018 में ही समाप्त हो चुकी थी, इसके बावजूद वे भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों को हिरासत में लेकर संबंधित दस्तावेज तैयार किए और उन्हें एफआरआरओ के समक्ष पेश किया। आवश्यक कार्रवाई पूरी होने पर दोनों को लामपुर स्थित हिरासत केंद्र भेज दिया गया है, जहां से आगे निर्वासन की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। दिल्ली पुलिस ने दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जो 2018 से बिना वीजा के दिल्ली में रह रहे थे। दोनों को लामपुर हिरासत केंद्र भेज दिया गया है। पुलिस ने आव्रजन नियमों के उल्लंघन के आरोप में यह कार्रवाई की। विदेशी नागरिक लंबे समय से अवैध रूप से भारत में रह रहे थे।

दीवाली के बाद अब सारनाथ को मिल सकता है विश्व धरोहर का तमगा, यूनेस्को की बैठक में होगा फैसला

नई दिल्ली : दीवाली के बाद, सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की तैयारी है, जिसका फैसला यूनेस्को की अगली बैठक में होगा। एएसआई ने सारनाथ के लिए यूनेस्को को प्रस्ताव भेजा था। यूनेस्को टीम ने निरीक्षण किया है और रिपोर्ट सौंपी है। सारनाथ में इतिहास की जानकारी को संशोधित किया गया है। नई दिल्ली। दीवाली को अमूर्त धरोहर की सूची में शामिल कराने के बाद अब मूर्त धरोहर की सूची में सारनाथ को शामिल कराने की तैयारी है। सारनाथ पर अगले साल जून-जुलाई में यूनेस्को की होने वाली बैठक में फैसला होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सारनाथ को लेकर कुछ साल पहले यूनेस्को में प्रस्ताव भेजा था। माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण बौद्ध स्थल सारनाथ के स्मारक परिसर को विश्व धरोहर का तमगा मिल सकता है। एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने सारनाथ को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए 2025-26 नामांकन चक्र के तहत एक डोजियर (प्रस्ताव) यूनेस्को को भेजा हुआ है। उसके बाद यूनेस्को टीम की सारनाथ को लेकर सितंबर अंत में दौरा कर निरीक्षण कर चुकी है। जिसमें स्थानीय निकाय, जिला प्रशासन से लेकर अन्य स्थानीय एजेंसियों के साथ बैठक कर उस इलाके के भविष्य के विकास पर चर्चा कर चुकी है और सभी जरूरी और महत्वपूर्ण जानकारियों की रिपोर्ट लेकर यूनेस्को में सौंप चुकी है। इतिहास की जानकारी को किया गया संशोधित सितंबर से पहले ही एएसआई सारनाथ स्मारक को बेहतर बनाने के लिए सभी प्रयास कर चुका है। सबसे महत्वपूर्ण है कि सारनाथ में पट्टिकाओं (प्लैक्स) पर उपलब्ध इतिहास की जानकारी को संशोधित किया गया है। जिसमें इतिहास को सही किया गया है, ऐतिहासिक सुधार में पुरानी पट्टिकाओं में बदलाव किया गया है। पहले सारनाथ की खोदाई में निकले ऐतिहासिक साक्ष्यों का श्रेय वहां लगे मुख्य शिलापट्ट पर अंग्रेज खोजकताओं को दिया जा रहा था। संशोधित किए गए इतिहास में नई पट्टिकाओ में 18वीं सदी में काशी के जमींदार रहे बाबू जगत सिंह को इसका श्रेय दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक डा वाई एस रावत कहते हैं कि बाबू जगत सिंह को लेकर पूरे प्रमाण उपलब्ध हैं। पूर्व में अंग्रेजों के समय से गलत जानकारी चली आ रही थी। उन्होंने कहा कि शोध अध्ययन टीम ने तत्कालीन आर्काइव, गजेटियर और अनेक संग्रहालयों तथा ब्रिटिश सरकार के अभिलेखों के अध्ययन के पश्चात यह पाया है कि सारनाथ की ऐतिहासिक सच्चाई को उजागर करने वाली खोदाई सबसे पहले बनारस राजघराने से जुड़ बाबू जगतसिंह ने कराई थी। जून-जुलाई में होगी यूनेस्को की बैठक एएसआई के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यूनेस्को अपनी टीम की रिपोर्ट के अनुसार मई में इस स्मारक को लेकर इस स्थिति स्पष्ट करेगा और जून जुलाई में यूनेस्को की होने वाली बैठक में इस बार भारत की ओर से केवल सारनाथ का प्रस्ताव है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार सारनाथ विश्व धरोहर की सूची में शामिल हो सकेगा। इस धरोहर को लेकर सभी प्रक्रियाएं और पूरी की जा चुकी हैं। यहां बता दें कि सारनाथ बौद्ध धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यहीं ज्ञान प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, जिसे "धर्म चक्र प्रवर्तन" कहते हैं, और यहीं बौद्ध संघ (भिक्षु समुदाय) की स्थापना हुई थी, जिससे बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार शुरू हुआ। यह बोधगया, लुम्बिनी और कुशीनगर के साथ बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है और सम्राट अशोक के समय में कला व धर्म का प्रमुख केंद्र था, जहां से भारत का राष्ट्रीय चिह्न (अशोक स्तंभ) भी लिया गया है।

बताया जाता है कि मौर्य सम्राट अशोक ने स्तंभ लगभग 250 ईसा पूर्व में बनवाया था।

एएसआई को 1904-05 में यहां की गई खोदाई में मिला था। यह स्तंभ के शीर्ष पर चार शेरों की आकृति है, जो भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का आधार है, जिसमें धर्मचक्र और "सत्यमेव जयते" भी शामिल हैं।

दिल्ली में बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 49 लाख, पुलिस ने तीन शातिरों को दबोचा

नई दिल्ली : दिल्ली क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने 71 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 49 लाख रुपये ठगने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण कर महिला को डरा धमका कर शिकार बनाया। दो आरोपितों ने साइबर सिंडिकेट को खाते दिए, जबकि एक ने कमीशन पर अपना खाता सौंपा। नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने 71 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 49 लाख रुपये ठगी करने के मामले में तीन आरोपित को गिरफ्तार किया है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण कर आरोपितों ने डरा धमका कर महिला को शिकार बनाया था। आरोपितों में दो ने साइबर सिंडिकेट को ठगी की रकम मंगवाने के लिए बैंक खाते व किट उपलब्ध कराए थे और एक ने अपना बैंक खाता कमीशन बेसिस पर सौंप दिया था। डीसीपी क्राइम ब्रांच आदित्य गौतम के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम अर्जुन सैनी, विमलेश व मोहम्मद आबिद उर्फ मुबाशिर है। अर्जुन सैनी, लखनऊ का रहने वाला और आठवीं पास है। उसने पैसे के बदले अपने नाम पर बैंक खाता खुलवा आरोपित विमलेश को सौंप दिया था। विमलेश, लखनऊ का रहने वाला। वह बीएससी कर रहा है। उसने साइबर अपराधियों को म्यूल बैंक अकाउंट देकर धोखाधड़ी में मदद की।मोहम्मद आबिद उर्फ मुबाशिर, लखनऊ का रहने वाला है और 10वीं तक पढ़ा है। उसे पहले गिरफ्तार किए गए आरोपित मोहम्मद ओवैस से अकाउंट किट मिली और उसने उसे साइबर सिंडिकेट को बेच दिया था। क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से लखनऊ में छापेमारी कर डिजिटल अरेस्ट और शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह से जुड़े तीन आरोपित को गिरफ्तार किया। घटना के बाद आरोपित फरार थे और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे थे। उन्हें गहन टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस के जरिए ट्रैक करने के बाद पकड़ा जा सका। इस मामले में छह आरोपित को क्राइम ब्रांच पहले गिरफ्तार कर चुकी है और दो को बां पर छोड़ा गया है। यह सिंडिकेट पीड़ितों को डराने के लिए पुलिस अधिकारियों और सरकारी एजेंसियों का रूप धारण कर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करता था। पीड़ितों को कानूनी नतीजों की झूठी धमकी देकर बड़ी रकम ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करता था। अवैध फंड को बैंक खातों की कई लेयर्स के जरिए लांडर किया गया, जिसके बाद तेजी से एटीएम से पैसे निकाल लेता था। आरोपित गरीब और बेरोजगार युवाओं को म्यूल अकाउंट खोलने और चलाने के लिए भर्ती भी करता जिससे अपराध की कमाई को आसानी से निकाला जा सके।

दिल्ली मेट्रो में 10 जनवरी तक चलेगा विशेष अभियान, महिला स्वास्थ्य और सुरक्षा

नई दिल्ली : दिल्ली मेट्रो में यात्रियों को महिला स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के सहयोग से सुल्तानपुर मेट्रो स्टेशन से शुरू हुआ यह अभियान 10 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल समावेशन, पीसीपीएएनडीटी और टीबी जागरूकता से संबंधित संदेश दिए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो (दिल्ली मेट्रो) में यात्रियों को महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर विशेष अभियान शुरू किया है। सुल्तानपुर मेट्रो स्टेशन से शुरू हुआ यह अभियान 10 जनवरी तक चलेगा। एक माह तक मेट्रो ट्रेनों और कुछ स्टेशनों पर महिलाओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, डिजिटल समावेशन, प्रसवपूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएएनडीटी) और टीबी जागरूकता से संबंधित संदेश दिए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने मीडिया को बताया कि डब्ल्यूएचओ के सहयोग से, दिल्ली के लोगों तक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने के लिए दिल्ली मेट्रो में अभियान शुरू किया है। जब महिला स्वस्थ होती है, तो परिवार और राष्ट्र स्वस्थ रह सकते हैं। इस अभियान का उद्देश्य पीसीपीएएनडीटी अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करना और इसके बारे में जागरूकता बढ़ाना है। गर्भधारण के समय लिंग निर्धारण न कराने का आग्रह करना है। उन्नत तकनीकों का दुरुपयोग कभी-कभी अजन्मे बच्चे का लिंग निर्धारण करने के लिए किया जाता है। इस अधिनियम का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या से लड़ना और देश में घटते लिंग अनुपात को संबोधित करना है। उन्होंने कहा, यह अभियान तपेदिक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

फ्लाइट कैंसिल होने से 25 सदस्यीय परिवार दिल्ली में फंसा, जेब पर पड़ा दोहरा आर्थिक प्रहार

नई दिल्ली : दिल्ली में इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण 25 सदस्यों का एक परिवार फंस गया है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से दोहरा नुकसान हुआ है। फ्लाइट रद्द होने से परिवार को न केवल यात्रा में असुविधा हुई, बल्कि उनके बजट पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। परिवार अब दिल्ली में अपनी वापसी की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रहा है। नई दिल्ली। चेन्नई निवासी फैजल और उनका 25 सदस्यीय बड़ा परिवार उत्तराखंड के हिल स्टेशनों के एक सप्ताह के भ्रमण से लौटने के बाद मंगलवार को दिल्ली में फंस गया। उन्हें उस समय बड़ा झटका लगा जब उन्हें पता चला कि चेन्नई के लिए उनकी शाम 4 बजे की निर्धारित उड़ान रद हो गई है। मजबूरी में उन्हें लगभग दोगुनी कीमत चुकाकर 11 दिसंबर को हिंडन एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली अगली फ्लाइट का टिकट लेना पड़ा। सिंगापुर में एक कंसल्टेंट कंपनी में कार्यरत फैजल, जो अपनी पत्नी सहित परिवार के 24 सदस्यों के साथ 30 नवंबर को चेन्नई में हुए शादी समारोह में शामिल होने के बाद इस भ्रमण पर निकले थे। उन्होंने बात करते हुए अपनी इस स्थिति को दोहरा आर्थिक प्रहार बताया है। फैजल ने कहा कि, उड़ान के रद होने से एक तो उन्हें दोगुनी कीमत पर हवाई टिकट लेना पड़ा है। दूसरा, अब उन्हें 11 दिसंबर तक यानी अगले तीन दिनों के लिए दिल्ली में सभी 25 लोगों के लिए ठहरने, खाने-पीने और दिल्ली से गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरपोर्ट तक जाने के लिए परिवहन का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। परिवार में 10 बच्चों के साथ बुजुर्ग सदस्य भी शामिल हैं, जो पहले ही भ्रमण के कारण काफी थके हुए हैं। फ्लाइट रद होने और अगले तीन दिन तक दिल्ली में रुकने की मजबूरी ने उनकी परेशानी को और बढ़ा दिया है। फैजल ने कहा कि वह निराश हैं।

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू को राहत, CBI की मांग पर कोर्ट ने टाल दी सुनवाई

नई दिल्ली : राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर सुनवाई टाल दी। सीबीआई ने कोर्ट से आरोपियों की स्थिति बताने के लिए समय मांगा, जिसके बाद अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने पर सुनवाई टाल दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) को सभी आरोपितों की स्थिति बताने को लेकर कोर्ट से समय मांगा। मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। इससे पहले, दो बार मामले में की सुनवाई टल चुकी है। पिछली सुनवाई के दौरान 8 दिसंबर को सीबीआई ने अदालत को आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों से जुड़े कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाले में विभिन्न आरोपियों की स्थिति वेरिफाई करने के लिए समय मांगा था। स्पेशल सीबीआई जज विशाल गोगने इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं कि आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं या नहीं। इससे पहले, 4 दिसंबर को सीबीआई को मामले में आरोपियों की स्थिति वेरिफाई करने के बाद एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। दरअसल, मामले 103 आरोपियों में से चार की मौत हो चुकी है। सीबीआई ने दावा किया है कि नियुक्तियां नियमों का उल्लंघन करके की गईं और इस लेन-देन में बेनामी संपत्तियां शामिल थीं। वहीं, आरोपियों ने मामले को राजनीति से प्रेरित बताते हुए आरोपों से इनकार किया है। क्या है मामला? एजेंसी का आरोप है कि वर्ष 2004 से 2009 के बीच जब लालू यादव रेल मंत्री थे, तब जबलपुर स्थित पश्चिम-मध्य रेलवे जोन के ग्रुप-डी पदों पर नियुक्तियां नियमों के खिलाफ की गईं। एजेंसी का दावा है कि जिन उम्मीदवारों को नौकरी दी गई, उनके पक्ष में बदले में जमीन के टुकड़े लालू परिवार या उनके करीबियों के नाम पर उपहार स्वरूप स्थानांतरित किए गए। सीबीआई ने इसे बेहिसाब संपत्ति, नियमों का उल्लंघन, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार का मामला बताया है।

नोटबंदी के सालों बाद भी बाहर आ रही पुरानी करेंसी, बैंक लेगा न आरबीआई 3.5 करोड़ के नोट मिलने से उठे सवाल

बाहरी दिल्ली : दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में 3.5 करोड़ रुपये के प्रतिबंधित नोटों के साथ चार युवक पकड़े गए। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे आर्थिक तंगी के कारण इस गैरकानूनी काम में शामिल हुए। आरोपियों ने नोट बदलने की योजना दो महीने पहले बनाई थी। पुलिस मुख्य आरोपियों, तरुण और आशीष की तलाश कर रही है, ताकि नोटों के स्रोत का पता चल सके। बाहरी दिल्ली। नोटबंदी के लगभग 9 साल बाद भी बंद हो चुकी पुरानी करेंसी कैसे बाहर आ रही है। यह बड़ा सवाल है। हालांकि ये नोट अब रद्दी के सिवाय कुछ भी नहीं। न तो इन्हें कोई बैंक लेगा न ही आरबीआई। माना जा रहा है कि करेंसी बदलने के नाम पर धोखाधड़ी का रैकट चल रहा था। शालीमार बाग इलाके में पकड़े गए 3.5 करोड़ रुपये के प्रतिबंधित नोटों ने पुलिस को चौंका दिया है। इन पुराने नोटों को कमीशन पर बदलने के खेल में फंसे चारों युवकों ने पूछताछ में बताया कि वे लालच में नहीं, बल्कि कड़ी आर्थिक मजबूरियों के चलते इस गैरकानूनी नेटवर्क का हिस्सा बने थे। मजबूरी ने अपराध की राह पर धकेला पूछताछ के दौरान आरोपी हर्ष ने बताया कि वह लक्ष्य का चचेरा भाई है और जल्दी पैसे कमाने के लिए इस मामले में शामिल हुआ। आरोपी टेक चंद ठाकुर ने बताया कि वह जिम ट्रेनर है। उसने करीब 18 महीने पहले अपनी नौकरी छोड़ दी थी और बेरोजगार था। खराब आर्थिक स्थिति के कारण उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई और अपने 17 व 19 वर्षीय दो लड़कों को भी उसी के पास छोड़ गई। उसे अपने बच्चों का पालन-पोषण और उनकी पढ़ाई का खर्च उठाना था और इसलिए उसने अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए जल्दी पैसे कमाने के लिए इसमें शामिल हो गया। आरोपी लक्ष्य ने बताया कि वह हर्ष (सह-आरोपी) का चचेरा भाई है। उसने हाल ही में सगाई की है और फरवरी 2026 में उसकी शादी होने वाली थी। उसने अपनी मंगेतर के बैंक खाते से शादी के खर्च के लिए लोन लिया था। उसे चुकाने का दबाव था। वह टेकचंद के संपर्क में आया और दोनों ने मिलकर इस मामले में शामिल होने की योजना बनाई। दो महीने पहले बनाई थी नोट बदलने की योजना आरोपी विपिन कुमार ने बताया कि वर्ष 2021 से आशीष और तरुण नाम के दो लोगों के संपर्क में आया। आशीष और तरुण दोनों ने बताया कि वे मनी ट्रांसफर का बिजनेस करते हैं। करीब दो-तीन महीने पहले आशीष और तरुण ने उन्हें बताया कि उनके पास करोड़ों रुपये के पुराने करेंसी नोट हैं और अगर वे उन्हें नए करेंसी नोट में बदलने में मदद करेंगे, तो उन्हें इसके लिए अच्छी रकम मिलेगी। इस पर विपिन ने टेक चंद से संपर्क किया और टेक चंद ने हर्ष और लक्ष्य से संपर्क किया। तरुण और आशीष से नोट के असली मालिक का चलेगा पता गिरफ्तार

आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी तरुण और आशीष को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित कर दी है। टीम लगातार उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद ही पता चल सकेगा कि आखिर ये नोट कहां से आएं और किसके हैं। किस तरह से धोखाधड़ी की जा रही थी, इसका भी पुलिस पता लगा रही है।

हरियाणा में इन जिलों की बदल जाएगी तस्वीर, सरकार से परियोजनाओं के लिए मिले 1700 करोड़

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने प्रदेश के तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों को मजबूत और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित सिविल सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि राज्य के शहरी विकास को गति देने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) सहित गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पंचकूला और हिसार महानगरीय विकास प्राधिकरणों को ईडीसी फंड से कुल 1700 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शहरीकरण को एक अवसर के रूप में देख रही है और नागरिकों को विश्वस्तरीय सड़कें, बेहतर जलापूर्ति, उन्नत सीवरेज सिस्टम और सुविधाजनक ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी प्रदान करना उसकी प्राथमिकता है। बजट 2025-26 के दौरान बाहरी विकास कार्यों के लिए 3000 करोड़ रुपये ईडीसी फंड से आवंटित करने की घोषणा की गई थी। यह फंड शहरी एस्टेट्स में आवश्यक

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उपयोग किया जा रहा है। सैनी ने बताया कि वित्त वर्ष के शुरूआती चरण में ही राज्य के विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1500 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अब 1700 करोड़ की यह नई राशि शहरी परियोजनाओं को और गति देगी। एचएसवीपी को 700 तथा गुरुग्राम मेट्रोपोलिटन डेवलेपमेंट अथॉरिटी को 700 करोड़ मिले हैं। फरीदाबाद अथॉरिटी को 170 करोड़, पंचकूला को 30, सोनीपत को 80 तथा हिसार मेट्रोपोलिटन डेवलेपमेंट अथॉरिटी को 20 करोड़ का फंड मिला है। इन निधियों का उपयोग शहरी गलियों से लेकर मेन रोड नेटवर्क, ओवरहेड टैंक से लेकर पाइपलाइन विस्तार, ड्रेनेज सुधार से लेकर मास ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी तक अनेक परियोजनाओं में किया जाएगा। इससे शहरी जीवन की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024-25 की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि राज्य के महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 2188 करोड़ रुपये विकास कार्यों के लिए जारी किए गए थे,
जिसके तहत कई परियोजनाएँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन निधियों से शहरी विकास की गति कई गुना बढ़ेगी और हरियाणा के शहर आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर नई पहचान बनाएंगे।

हरियाणा में नए साल से डिपो पर ऐसे मिलेगा राशन, हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में मिली मंजूरी

चंडीगढ़ : हरियाणा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की राशन वितरण प्रणाली नए साल से हाईटैक हो जाएगी। हाई पावर परचेज कमेटी (एच.पी.सी.सी.) ने नई प्वाइंट ऑफ सेल (पी.ओ.एस.) मशीनों की मंजूरी दे दी है। नई मशीनों में फेस रीडिंग और ई-तौल की सुविधा के नए सेगमेंट जोड़े गए हैं। हालांकि इस पूरे हाईटैक सिस्टम पर हर साल सरकार का 10 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। पहले राशन डिपो पर चलने वाली 2जी मशीनों का किराया महीने का 1250 रुपए था, जो अब प्रति मशीन के हिसाब से सरकार ने तय किया है। अब प्रति कार्ड धारक पर 3.25 रुपए किराया सरकार देगी। नई 5जी पी.ओ.एस. मशीनें फिंगरप्रिंट स्कैनर और आइरिस स्कैनर से लैस होंगी। इन मशीनों से राशन कार्ड धारकों का फिंगरप्रिंट, आंखों की पुतलियों और चेहरे की पहचान कर ई-के. वाई.सी. व राशन वितरण प्रक्रिया होगी। इस फजीर्वाड़े पर रोक लगेगी और लाभार्थियों को आसानी से उनका हक का राशन मिल सकेगा। इन मशीनों को सीधे इलैक्ट्रॉनिक वजन मापने से भी जोड़ा गया है। इससे जितना राशन कार्ड धारक को मिलेगा, उसका वजन खुद मशीन में दर्ज होगा, साथ ही उसकी रसीद तुरंत निकल आएगी। रसीद में दिए गए राशन का पूरा ब्यौरा छपा होगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने राशन डिपो को हाईटैक करने के लिए हर राशन डिपो पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने का फैसला किया है। इसकी शुरूआत पंचकूला से की गई है, यहां 2 राशन डिपो पर अभी तक सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए जा चुके हैं। यदि यहां ये प्रोजैक्ट सफल रहता है तो पूरे प्रदेश में विभाग इसे शुरू करेगा।

हरियाणा में अभी 41 लाख कार्ड धारक हैं। हालांकि इनमें 26 से 27 लाख लोग ही राशन लेते हैं। 9500 राशन डिपो हैं। नई पी.ओ.एस. मशीनों से डिपो धारक और उपभोक्ताओं को होगा फायदा : नागर हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि नई पी.ओ.एस. मशीनों से डिपो धारकों के साथ ही उपभोक्ताओं को भी फायदा होगा। सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है और अगले महीने से सभी डिपो धारकों के पास मशीनें पहुंच जाएगी। विभाग में पारदर्शी सिस्टम लागू करना उनकी प्राथमिकता है, इसके लिए सभी राशन डिपो पर कैमरे भी लगाए जाएंगे।

हरियाणा के रिटायर ज्वाइंट डायरैक्टर को एक माह तक डिजीटल अरेस्ट, 85 लाख ठगे

चंडीगढ़: विजीलैंस आफिसर बन हरियाणा सरकार से ज्वाइंट डायरैक्टर पद से रिटायर्ड बुजुर्ग को एक माह से ज्यादा समय तक डिजीटल अरैस्ट कर 85 लाख रुपए की ठगी कर ली। बुजुर्ग की शिकायत पर साइबर सैल ने जांच कर अज्ञात ठगों पर मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता मनीमाजरा निवासी बुजुर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि हरियाणा सरकार से ज्वाइंट डायरैक्टर पद से रिटायर्ड हुआ था। 9 अक्टूबर सुबह करीब 11 बजे अज्ञात नंबर का फोन आया, जिसने खुद की टैलीफोन अथॉरिटी ऑफ इंडिया से विजय पंडित बताया। विजय पंडित ने कहा कि आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल कर दिल्ली के चांदनी चौक में प्राइवेट बैंक में खाता खोला गया है। इसमें उनके टेलीफोन नंबर का भी इस्तेमाल किया गया है, जिसका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ। इसके बाद आरोपी ने कहा कि फाइनैंशियल वैरीफिकेशन की जानी है, जिसके लिए शिकायत करने वाले को राजेश प्रधान नाम के लोगों से जोड़ा और उसके बाद नीरज ठाकुर और प्रदीप सिंह से, जिन्होंने खुद को सीनियर विजीलैंस ऑफिसर बताया। उन्होंने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से उसके मोबाइल नंबर पर बात की। सभी ने धमकाकर कहा कि उन्हें और उसकी पत्नी को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वे ही मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रायोरिटी इनोसेंस सर्टिफिकेट जारी कर मदद कर सकते हैं। इसके लिए, कई बार अलग-अलग बैंक अकाऊंट में कुल 85 लाख रुपए जमा करवाए, जिन्हें आर.बी.आई. द्वारा वेरिफाई किया जाना था।ठगों ने शिकायतकर्ता को एक महीने से ज्यादा समय तक डिजीटल अरैस्ट रखा और 11 नवम्बर तक अलग-अलग बैंक खातों से पैसे निकालकर 80 लाख जमा करवा दिए। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि ठगों ने उनके व्हाट्स एप नंबर पर कोर्ट, आर. बी.आई. वगैरह के नोटिस भी भेजे थे। ठगों ने वैरीफिकेशन के बाद सारे रुपए बैंक के जरिए वापस करने का भी वादा किया था। उन्होंने यह भी कहा कि उनके केस का डॉक्यूमेंट 3 से 7 कामकाजी दिन के अंदर पुलिस स्टेशन भेज दिया जाएगा। मनीमाजरा पुलिस स्टेशन में संपर्क करने पर ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी और साइबर सैल ने अज्ञात ठगों पर मामला दर्ज किया।

हरियाणा-पंजाब के रिटायर्ड सैनिकों सहित 100 से ज्यादा लोग बने ठगी का शिकार, करोड़ों रुपए का लगा चूना

कुरुक्षेत्र : प्राइवेट लि. कम्पनी के संचालक कई निवेशकों के करोड़ों रुपए लेकर फरार हो गए। कम्पनी ने अपने निवेशकों को हर महीने 4-5 प्रतिशत ब्याज का लालच दिया था। दिल्ली निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर थानेसर सदर थाने में पुलिस ने संचालकों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कम्पनी ने हरियाणा के साथ पंजाब के भी रिटायर्ड सैनिकों और प्रॉपर्टी डीलर समेत 100 से ज्यादा लोगों को अपना शिकार बनाया। अब आरोपियों ने अपनी कम्पनी के जरिए उगी करके दूसरी कम्पनी खोल दी। आरोपियों ने मेरे और मेरे परिवार के साथ करीब 3 करोड़ रुपए का फ्रॉड किया है। नई दिल्ली के रहने वाले शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसकी दिल्ली में प्रॉपर्टी का सेल परचेज का काम है। आरोपियों ने 2022 में कम्पनी रजिस्टर करवाई थी। कम्पनी के जरिए आरोपी प्रॉपर्टी निवेशक, वर्चुअल असिस्टेंट, शेयर मार्केट, क्रिप्टो माइनिंग और ब्रोकरेज का काम करते थे। उसने मकान बेचकर कम्पनी में 67 लाख रुपए लगा दिए। अपने छोटे भाई और रिश्तेदारों के भी कम्पनी में 3 करोड़ इन्वैस्ट करवा दिया।

2 महीने तक कम्पनी ने उनका ब्याज नहीं दिया। आरोपियों ने फोन उठाने भी बंद कर दिए। वे कम्पनी के दफ्तरों पर पहुंचे तो बंद मिले। पता चला कि कम्पनी के संचालक के खिलाफ लाडवा और थानेसर सदर थाने में धोखाधड़ी के केस दर्ज हैं।आरोपियों ने हमारे साथ-साथ अन्य लोगों के साथ करीब 100 करोड़ रुपए की ठगी कर रखी है। थानेसर सदर थाना के एडिशनल विजय कुमार ने बताया मामले की जांच इकनॉमिक सैल को सौंपी गई

सोनीपत में युवक की हत्या से फैली सनसनी, नहीं हुई मृतक की पहचान

सोनीपत : सोनीपत के कुंडली थाना क्षेत्र में युवक की हत्या से सनसनी फैल गई। कुंडली में स्थित टीडीआई सीटी में करी जंक्शन नाम के फैमिली रेस्टोरेंट के पीछे बनाए कमरे में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। सूचना के बाद कुंडली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल में रखवा दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार कुंडली में स्थित टीडीआई सीटी में करी जंक्शन नाम से फैमिली रेस्टोरेंट बनाया गया है और इसी में काम करने के लिए 25 साल युवक कल रात ही आया था और बीती देर रात को जिस कमरे में वह युवक रुका था उसी में उसका शव मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद कुंडली थाना पुलिस और डीसीपी मौके पर पहुंचे। युवक की तेजधार हथियार से गला काट कर हत्या की गई हैं और प्राथमिक जांच में सामने आया है कि अज्ञात युवकों के साथ झगड़े के बाद हत्या की गई है।

फिलहाल कुंडली थाना पुलिस ने मृतक युवक की पहचान के लिए आस पास पूछताछ शुरू कर दी है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल में रखवा दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं डीसीपी प्रबीना ने बताया कि सूचना मिली थी कि युवक का शव कमरे में पड़ा हुआ है और युवक की गला काट कर हत्या कर दी गई है। युवक कल ही देर रात आया था। अभी मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल में रखवा दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंडिगो की फ्लाइट हुई कैंसलङ्ग पिता बन गए हीरो ! रातभर 800 किमी दौड़ाई कार, बेटे को पहुंचाया इंदौर

हरियाणा : कुछ दिनों से इंडिगो की उड़ाने रद्द हो रही हैं। जिसकी वजह से देशभर में हाहाकार मचा हुई है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों को पेरशानियों को सामना करना पड़ रहा है। वहीं हरियाणा के रोहतक के एक परिवार को भी परेशानी झेलनी पड़ी। उसके बाद पिता ने कार से बेटे को इंदौर पहुंचाया। बता दें कि रोहतक के मायना गांव की पंघाल परिवार को भी इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने की वजह से परेशानी उठानी पड़ी। पेशे से वकील राजनारायण पंघाल ने एक ही रात में 800 किमी का सफर तय किया, ताकि उनके बेटे का इंदौर में पेपर दे पाए। राजनारायण के बेटे के प्री बोर्ड एग्जाम थे। राजनारायण ने बताया कि उनके 17 साल का बेटा आशीष इंदोर में 12वीं में पढ़ता है। वह छुट्टी पर घर आया था। उनका बेटा शूटिंग का खिलाड़ी भी है और 8 दिसंबर को उसका एग्जाम था। ऐसे में वह छह दिसंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे तो पता चला कि इंदौर की फ्लाइट कैंसल हो गई है. फिर उन्होंने सोचा कि अब तो बेटा इंदौर पहुंच नहीं पाएगी और उसके जो अवार्ड मिलना था वो भी नहीं मिल पाएगा।

उसके बाद राजनारायण ने तय किया कि बेटे को किसी भी तरह इंदौर पहुंचाना है। उन्होंने कार से इंदौर का सफर करने का फैसला लिया. दिल्ली से इंदौर का फासला करीब 800 किमी था। उन्होंने सारी रात कार चलाई और फिर अगली सुबह समय पर इंदौर पहुंचे।

प्रदेश सरकार ने चुनाव तहसीलदार को किया सस्पेंड

गुड़गांव, (ब्यूरो): हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम के चुनाव तहसीलदार रोहित सिहाग को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया गया है। यह निर्णय चुनाव विभाग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर संज्ञान लेते हुए, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा उनके सस्पेंशन ऑर्डर को मंजूरी दिए जाने के बाद लिया गया है। तहसीलदार सिहाग को इसी वर्ष 13 नवंबर को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।इस पूरे मामले का खुलासा गुरुग्राम एसीबी ऑफिस में एक स्थानीय ट्रांसपोर्टर की शिकायत पर हुआ। ट्रांसपोर्टर ने अपनी शिकायत में बताया था कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों में उपायुक्त गुरुग्राम के निर्देश पर उनकी गाड़ियां चुनावी कार्यों में लगाई गई थी, जिसका भुगतान उन्हें सरकार द्वारा तय दर के अनुसार मिलना था। बिल भुगतान के लिए उपायुक्त कार्यालय द्वारा पुलिस आयुक्त कार्यालय को भेज दिए गए थे। हालांकि, पुलिस विभाग से इन बिलों की अदायगी करवाने के लिए ट्रांसपोर्टर को जिला चुनाव कार्यालय, गुरुग्राम से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना अनिवार्य था। इसी जरूरी एनओसी को प्राप्त करने के लिए ट्रांसपोर्टर पिछले कई महीनों से तहसीलदार रोहित सिहाग के कार्यालय के चक्कर लगा रहा था।शिकायतकर्ता के अनुसार, भुगतान के लिए आवश्यक एनओसी जारी करने के बदले में तहसीलदार रोहित सिहाग और उसके एक सहायक ने शुरूआती दौर में 3.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। ट्रांसपोर्टर के बार-बार निवेदन करने और मिन्नतें करने के बाद, आरोपी तहसीलदार ने

यह रकम घटाकर दो लाख रुपये करने की बात तय की। शिकायत की सत्यता की जांच करने के बाद एसीबी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक गोपनीय ट्रैप बिछाया गया। 13 नवंबर तहसीलदार रोहित सिहाग को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। चुनाव विभाग से अधिकारी के खिलाफ निलंबन का प्रस्ताव मिलने के बाद कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बिना किसी देरी के सस्पेंशन को मंजूरी दे दी। इस त्वरित प्रशासनिक कदम से यह स्पष्ट संदेश गया है कि हरियाणा सरकार सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। रोहित सिहाग पर अब आगे विभागीय जांच के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी जारी रहेगी।

> हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम के चुनाव तहसीलदार रोहित सिहाग को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया गया है। यह निर्णय चुनाव विभाग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर संज्ञान लेते हुए, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा उनके सस्पेंशन ऑर्डर को मंजूरी.

खबर एक्सप्रेस

इन अधिकारियों की भर्ती पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक, कार्यवाही रोकने का आदेश

चंडीगढ़ : हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) की भर्ती के लिए कराई गई स्क्रीनिंग परीक्षा पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया प्रश्नपत्र में कई ऐसे सवाल शामिल थे, जिनका कृषि या भर्ती के उद्देश्य से कोई संबंध नहीं दिखता। इसी आधार पर कोर्ट ने चयन प्रक्रिया की आगे की कार्यवाही रोकने का आदेश दिया है। यह आदेश 14 नवंबर को घोषित हुए स्क्रीनिंग परिणाम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप मौदगिल ने पारित किया। उम्मीदवारों का कहना था कि परीक्षा का प्रश्नपत्र उस विषय से भटका हुआ था, जिसके लिए भर्ती की जा रही थी। उन्होंने स्क्रीनिंग परिणाम रद करने और प्रासंगिक पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षा दोबारा करवाने की मांग की। साथ ही, यह भी कहा कि नौ प्रश्न हटाए जाने के बाद नकारात्मक अंकन को ध्यान में रखते हुए आनुपातिक क्षतिपूर्ति अंक दिए जाने चाहिए थे।

गाय को नॉनवेज मोमोज खिलाने वाले से मारपीट करने वालों के खिलाफ केस

गुड़गांव, (ब्यूरो): गाय को नॉनवेज मोमोज खिलाने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। युवक से मारपीट करने वाले गौ रक्षकों के खिलाफ न्यू कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह मामला युवक के पिता की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान चमन खटाना (उम्र-45 वर्ष) निवासी पटेल नगर, गुरुग्राम, रोहित (उम्र-29 वर्ष) निवासी बार गुर्जर, गुरुग्राम 3. ललित (उम्र-25 वर्ष) निवासी खदाना जिला बुलंदशहर (उत्तर-प्रदेश) वर्तमान निवासी मारुति कुंज, गुरुग्राम, तेशव (उम्र-22 वर्ष) निवासी ज्योति पार्क (गुरुग्राम) व आयुष्मान (उम्र-20 वर्ष) निवासी न्यू पालम विहार (गुरुग्राम) के रूप में हुई। वहीं, मामले में गाय को नॉनवेज मोमोज खिलाने वाले युवक ऋतिक निवासी न्यू कॉलोनी को भी सेक्टर-56 थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

हरियाणा में घर की छत व गमलों में उगाए जाएंगे फल-सब्जियां, सरकार जल्द शुरू करेगी ये खास योजना

चंडीगढ़ : हरियाणा बीज विकास निगम द्वारा प्रदेश में जल्द ही अपनी सब्जी-अपना फल' योजना की शुरूआत की जाएगी। इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सैनी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। यह निर्णय निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पंचकूला में आयोजित हरियाणा बीज विकास निगम की 51वीं वार्षिक आम बैठक में लिया गया। बैठक में निगम के प्रबंध निदेशक राज नारायण कौशिक, निदेशक मनोज बबली, निदेशक दारा सिंह, एन.एस.सी. से डायरैक्टर नानू राम यादव, कंपनी सचिव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सबसे पहले बैठक में बड़ी संख्या में पहुंचे शेयर धारकों (किसान) का स्वागत किया गया। अपनी सब्जी-अपना फल योजना के तहत वे लोग भी अपने परिवार के लिए ताजी और शुद्ध सब्जियां व फल उगा सकेंगे, जिनके पास खेत या पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है।

बराड़ा में संदिग्ध हालात में युवक की मौत, शरीर पर मिले चोट के निशान

बराड़ा : अंबाला के बराड़ा क्षेत्र के गांव उगाला में गुरुवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान विशाल कुमार के रूप में हुई है। मृतक के चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने परिजनों ने की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। परिजनों ने बताया कि विशाल कुमार अंबाला आईटीआई में स्वीपर का काम करता था। वह शाम करीब 6 बजे ड्यूटी से घर लौटा था। वह काफी घबराए हुआ था। विशाल की पत्नी ने बताया कि वह बिना कुछ खाए गेट के पास ही सो गया। सुबह जब उसे जगाया तो उसकी सांसे रुक चुकी थीं। विशाल अपने पीछे 2 बेटियां और एक बेटा छोड़ गया।मृतक के भाई हरबंस ने बताया कि विशाल रात को चाय पीकर गेट के पास सोया था। सुबह उनके हाथ-पांव पर चोट के निशान थे और गेट का ताला खुला मिला। पुलिस ने पत्नी के बयान पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। फोरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल जुटाए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पत्नी की हत्या करने वाले पति-ससुर को उम्रकैद, आरोपियों ने पुलिस को कहा- लापता है

जींद : जींद जिले के नगूरां गांव में पत्नी की हत्या के जुर्म में संजय और उनके ससुर सूबे सिंह को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिफ्फा की अदालत ने उम्रकैद की कठोर सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 55 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न भरने की स्थिति में उन्हें एक-एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। जानकारी के अनुसार, 7 दिसंबर 2021 को संजय ने अपनी पत्नी रीना के लापता होने की शिकायत की। शिकायत में संजय ने अपनी पत्नी पर आरोप लगाया था कि वह 50 हजार रुपये लेकर चली गई है। 3 दिन बाद गांव नगूरी की झाड़ियों में रीना का कंकाल बरामद हुआ। पोस्टमॉर्टम व जांच में सामने आया कि रीना की हत्या की गई। इसके बाद किसी की हत्या का शक ना हो इसलिए जलाकर झाड़ियों में फेंक दिया। जांच में सामने आया कि संजय और सूबे सिंह को सीसीटीवी फुटेज में बोरी में कुछ लेकर जाते देखा गया था। पुलिस ने इसे गंभीर मामला मानते हुए हत्या व शव के खंडहर करने का मामला दर्ज किया और तफ्तीश के आधार पर आरोप तय किए। अदालत ने सबूतों व गवाही के बाद दोषी करार देते हुए कड़ी सजा सुनाई। दोनों दोषी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

सिरप तस्करी मामला: 16 महीने से फरार 10 हजार का ईनामी तस्कर गिरफ्तार, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

सोनीपतः 38,400 प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की खेप वाले एन.डी.पी.एस. केस में 16 महीने से फरार चल रहा 10,000 रुपए ईनामी अंतर्राज्यीय नशा तस्कर आखिरकार एस.टी.एफ. और हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम के हत्थे चढ़ गया। यह कार्रवाई डी.जी.पी. ओ.पी. सिंह के निदेर्शों पर चल रहे राज्यव्यापी अभियान ऑप्रेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन तहत की गई। गिरफ्तारी रोहतक यूनिट ने एस.पी. मोहित हांडा के नेतृत्व और डी.एस.पी. जगजीत सिंह के मार्गदर्शन में की। रोहतक यूनिट इंचार्ज राकेश कुमार नुसार आरोपी भानु प्रताप सिंह निवासी यू.पी. सोनीपत में वांटेड था। इस केस में अब तक 4 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। वर्ष 2024 में पुलिस ने 38,400 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ मुख्य आरोपियों सुधीर निवासी झज्जर, जितेंद्र निवासी झज्जर को पकड़ा था। उनसे खुलासा होने पर ललित निवासी रोहतक को भी जेल भेजा गया। पूछताछ में सामने आया कि यह पूरी खेप भानु प्रताप सिंह से खरीदी गई थी, जो इसके बाद से फरार हो गया था। एच.एस.एन.सी.बी. ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का ईनाम रखा था।

दूसरे टी20आई से पहले हरमनप्रीत कौर और युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे पुरुष टी20आई से पहले भारतीय महिला कप्तान हरमनप्रीत कौर और पूर्व पुरुष ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया गया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) के कार्यवाहक सचिव सिद्धांत शर्मा ने हरमनप्रीत और युवराज को उनके नाम पर स्टैंड का नाम देकर सम्मानित करने के बारे में बताया था।

गुरुवार को उद्घाटन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और PCA अध्यक्ष अमरजीत मेहता ने किया जिसमें BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे। पिछले महीने हरमनप्रीत ने नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में ODI विश्व कप खिताब जीतकर महिला क्रिकेट में भारत को पहली सीनियर ICC ट्रॉफी दिलाकर इतिहास रचा था।

इस बीच युवराज ने भारत की दोहरी विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें 2007 में पहला टी20 विश्व कप और 2011 में ODI विश्व कप शामिल है। उन्होंने सफेद गेंद क्रिकेट में खेल के महान मैच विजेताओं में से एक के रूप में अपनी विरासत को मजबूत किया था। युवराज दूसरे टी20आई से पहले भारतीय टीम के साथ भी शामिल हुए और सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को कुछ सलाह दी।

हरमनप्रीत तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिनके नाम पर स्टैंड का नाम रखा गया है। इससे पहले झूलन गोस्वामी (ईडन गार्डन्स, कोलकाता) और मिताली राज (ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम) जैसी दिग्गज खिलाड़ियों को यह सम्मान दिया गया था। मान और अन्य PCA पदाधिकारियों की उपस्थिति में हरमनप्रीत, अमनजोत कौर और हरलीन देओल को 11 लाख रुपए के नकद पुरस्कार भी दिए गए जबकि विश्व कप विजेता टीम के फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स, गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।' भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

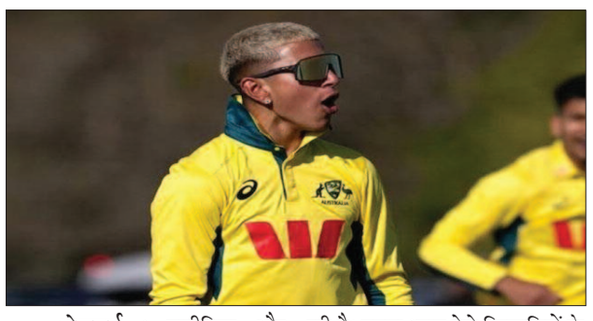

मेलबर्न । नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी।

भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खेली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीम

ओलिवर पीक, कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

बीसीसीआई की आम बैठक में घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित कई अन्य मामलों पर होगी बात

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक इसी माह 22 दिसंबर को होगी। एपेक्स कमेटी की इस बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच मामलों पर बात हो सकती है। इसमें घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को बढ़ाने पर भी बात होगी। इस बार एकदिवसीय विश्वकप में महिला टीम की शानदार जीत से भी खिलाड़ी उत्साहित है और ऐस में उन्हे मैच फीस में बदलाव की उम्मीद है। बीसीसीआई भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुशी है और प्रतिभाओं को आगे लाने मैच फीस बढ़ाने पर फैसला ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वेतन में समानता है पर घरेलू प्रतियोगिताओं में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। वहीं इस बैठक में क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध पर भी बात होगी। इसके अलावा बीसीसीआई अंपायरों की मैच फीस में भी बदलाव करना चाहता है। उसको भी लेकर इस बैठक में विचार किया जाएगा। इसके अलावा कई और मामले भी इस बैठक में उठेंगे।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।

ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल

बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है।

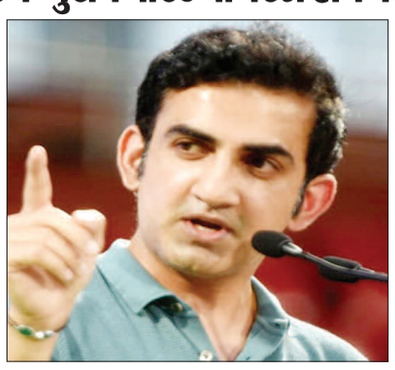

सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है।

गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जब अवसर मिल जाते हैं।

वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये।

गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की स्किल्स देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट, विराट और रोहित होंगे डिमोट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है । इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है । वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है । इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं । वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है । इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले इन दोनो ने ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था । वहीं साल 2024 टी20 विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास ले लिया था ।

रोहित और कोहली की जोड़ी अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर बनी हुई है । अभी ए प्लस सूची में विराट और रोहित के अलाव जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं । ग्रेड ए प्लस अनुबंध में सालाना सात करोड़ रुपये जबकि ए में पांच, वहीं बी में तीन और सी में एक करोड़ रुपये मिलते हैं । बीसीसीआई के नियमानुसार अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने एक सत्र में 3 टेस्ट मैच या 8 एकदिवसीय या 10 टी20 मैच खेले हों ।

सैमसन के रहने से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है : जितेश

मुम्बई । भारतीय टीम में आज सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है । टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है । वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है । जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है । मुझे उससे काफी कुछ सीखने को मिला है । वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं । जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है । उन्होंने कहा, 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है।' सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं । ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा । वहीं अब तक के आंकड़ों को देखें तो सैमसन कहीं आगे हैं । सैमसन ने अब तक 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं । उनमें उनके नाम 995 रन है । उनका औसत 25 ।51 और स्ट्राइक रेट 147 ।4 का है । उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्री में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं । सैमसन ओपनर के तौर पर ही सबसे ज्यादा सफल रहे हैं । 2022 में उन्हें पहली बार ओपनिंग का मौका मिला । अब तक बतौर ओपनर उन्होंने 14 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 512 रन हैं । औसत भी 39 ।38 का है और स्ट्राइक रेट 182 ।2 का । उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में अपने तीनों शतक बतौर ओपनर जड़े हैं । इसके अलावा ओपनिंग करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक भी जड़ा है ।

जूनियर विश्व कप हॉकी : भारत का दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन, 9 साल बाद जीता पदक

चेन्नई (एजेंसी)। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला।

एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी। भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे

अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा। दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सकर्ल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था।

मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। मेजबान टीम अपने पहले गोल की तलाश में आगे बढ़ती रही और लगभग दस मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रही। अनमोल एक्का के शानदार ड्रैगफ्लिक की मदद से अंकित पाल ने (49वें) मिनट अर्जेंटीना के गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल किया, जिससे भारत ने एक गोल की बराबरी कर ली। मोमेंटम अपने पक्ष में होने के कारण, भारत ने दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर इसी तरह का मूव किया, जिसमें मनमीत सिंह ने (52वें) मिनट अनमोल एक्का के सेटअप का फायदा उठाते हुए भारत को बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला और शारदानंद तिवारी ने (57वें) मिनट में कोई गलती नहीं की और मैच खत्म होने में तीन मिनट से भी कम समय बचा था, तब भारत को बढ़त दिला दी। अपने तीसरे गोल की तलाश में, अर्जेंटीना ने बिना गोलकीपर के खेलने का फैसला किया। उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर से मौका मिला, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल से जीत पक्की कर ली।

ग्यारह मिनट में चार गोल के साथ भारत ने FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक हासिल करने के लिए एक शानदार वापसी की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 5 लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 2.5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

हार के बाद रियल मैड्रिड के खिलाड़ी हुए बेकाबू, कई प्लेयर्स पर लगे प्रतिबंध

मैड्रिड । सेल्टा विगो से हार के बाद रियल मैड्रिड पर मुख्य रूप से रेफरी के साथ दुर्व्यवहार के कारण उसके खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाए गए है । रियल मैड्रिड को सेल्टा विगो के साथ मैच के दौरान दूसरे हाफ में डिफेंडर फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास और फॉरवर्ड एंड्रिक को दिखाए गए रेड कार्ड के लिए भारी अनुशासनात्मक कीमत चुकानी पड़ी । गार्सिया पर स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (RFEF) की अनुशासनात्मक कमेटी ने एक मैच का बैन लगाया है, जिसे वह इस वीकेंड डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ मैच में नहीं खेल सकेंगे । उन्हें दो येलो कार्ड मिलने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था । हालांकि, कैरेरास और एंड्रिक को दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है, कैरेरास को रेफरी क्विंटरो गोंजालेज को बाहर किए जाने के बाद 'एरेस मालिसिमो' (तुम बहुत बुरे हो) कहने के लिए सजा दी गई है । मैदान पर नहीं उतरने वाले एंड्रिक को भी रेड काड 'दिखाया गया और 'बेंच से उठकर टेक्निकल एरिया से बाहर जाने, चौथे रेफरी पर चिल्लाने और टेक्निकल स्टाफ के सदस्यों द्वारा रोके जाने की जरूरत पड़ने' के लिए दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया । घुटने की सर्जरी के बाद फिलहाल बाहर चल रहे डैनी कार्वाजल को भी मैच के बाद ड्रेसिंग रूम के टनल में रेफरी का अपमान करने के लिए दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है ।

अफरीदी ने रोहित-विराट की सराहना की , गंभीर पर निशाना साधा

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि भारतीय टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत है । इसलिए इन दोनो को टीम में बनाये रखना चाहिये । अफरीदी ने कहा कि ये दोनो अनुभवी बल्लेबाज भारतीय टीम की रीड़ की हड्डी की तरह है । इसके साथ ही अफरीदी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी निशाना साधा और कहा कि वह हमेशा जो सोचते हैं जरुरी नहीं कि वह सही हो । अफरीदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की । उन्होंने कहा कि ये दोनों अनुभवी होने के कारण भारत की एकदिवसीय टीम के लिए फायदेमंद रहेंगे । ऐसे में भारतीय टीम को इन स्टार खिलाड़ियों का सही उपयोग करना चाहिये । अफरीदी ने कहा, ‘ये सही है कि विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ हैं । जिस प्रकार उन्होंने वापसी करते हुए एकदिवसीय सीरीज खेली है । उससे ये तय है कि उनमें 2027 विश्वकप तक खेलने की क्षमता हैं । टीम प्रबंधन को इन दोनों खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों के लिए संभालकर रखना चाहिये ।' अफरीदी ने रोहित की तारीफ भी की, जिन्होंने एकदिवसयी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का उनका रिकॉर्ड तोड़ा है । अफरीदी ने कहा, 'रिकॉर्ड्स टूटने के लिए ही होते हैं और अब ये रिकॉर्ड भी टूट गया है । मुझे खुशी है कि जिस खिलाड़ी को मैं हमेशा पसंद करता था, उसने ये रिकॉर्ड तोड़ा है । अफरीदी ने कहा, 'गंभीर ने जिस तरह से अपनी कोचिंग की शुरुआत की, ऐसा लगा कि उन्हें लगता है कि जो वे सोचते और कहते हैं वही सही है, लेकिन कुछ समय बाद साबित हो गया कि आप हमेशा सही नहीं होते ।'

भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है, विश्व कप की जीत पर बोलीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने बताया कि उन्हें क्रिकेट से बढ़कर कुछ भी प्यारा नहीं है। 29 वर्षीय इस स्टार क्रिकेटर ने भारत के साथ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने के अपने अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीता।

मंधाना ने अमेज़न संभव समिट में कहा कि मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से बढ़कर मुझे कुछ और प्यारा है। भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है। आप अपनी सारी परेशानियां भूल जाते हैं, और यही सोच आपको जीवन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। बचपन से ही बल्लेबाजी का जुनून मुझमें था। कोई इसे समझ नहीं पाया, लेकिन मेरे मन में हमेशा से विश्व चैंपियन बनने का सपना था। भारतीय उप-कप्तान ने कहा, ÷विश्व कप जीत वर्षों के संघर्ष का फल है। हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं 12 साल से अधिक समय से क्रिकेट खेल रही हूं और कई बार हालात हमारे पक्ष में नहीं रहे। फाइनल से पहले हमने इसकी कल्पना की थी, और जब आखिरकार हमने इसे स्क्रीन पर देखा, तो हमारे रोंगटे खड़े हो गए। यह हम सभी के लिए एक खास पल था।÷

इससे पहले, रविवार को मंधाना ने पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुच्छल से उनकी शादी रद्द हो गई है, जिससे हफ्तों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। यह घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक सार्वजनिक पोस्ट में की, जिसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान ने कहा कि पिछले महीने समारोह के अचानक स्थगित होने के बाद फैल रही अफवाहों पर उन्हें जवाब देना जरूरी लगा। मंधाना ने दोनों परिवारों के लिए निजता बनाए रखने का अनुरोध किया है।

मंधाना ने अपने पोस्ट में लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों से मेरे जीवन को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए इस बारे में बोलना जरूरी है। मैं बहुत ही निजी व्यक्ति हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन मुझे यह स्पष्ट करना है कि शादी रद्द हो गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा ही करने का अनुरोध करती हूं। मैं आप सभी से निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती हूं और हमें अपने हिसाब से आगे बढ़ने और इस पर विचार करने का समय देने की अपील करती हूं।

तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की

बिग बॉस 19 के पांच फाइनलिस्ट में से तान्या मित्तल एक थीं। वह फिनाले में बाहर हुईं। उन्होंने रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। तान्या ने कहा कि वह अक्सर घर में बहुत अकेला और तन्हा महसूस करती थीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें दोस्ती करने में बहुत मुश्किल होती थी। आइए जानते हैं तान्या मित्तल ने शो के बारे में और क्या कहा है?

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तान्या मित्तल ने बताया कि कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ अच्छा रिश्ता था लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब हमारे रिश्ते में तनाव आ गया। उन्होंने कहा, नीलम ने एक समय मुझसे सवाल पूछा कि क्या तुम झूठ बोलती हो? वह गुस्से में थीं और मुझ पर चिल्लाई थीं।

कल्पू काका से है दोस्ती

उन्होंने बताया मैंने एक पेड़ से दोस्ती की, जिसका नाम कल्पू काका है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ एक ही दोस्त बना सकती हूं, और वो हैं कल्पू काका। बिग बॉस ने मुझे वो पेड़ लाने नहीं दिया। अगर मेरे दोस्त मेरे साथ होते, तो मुझे चीजों से बात नहीं करनी पड़ती। मुझे घर में बहुत अकेलापन और तन्हापन महसूस होता था। मुझे घर में बहुत खोया हुआ महसूस होता था। मैंने कभी झूठ नहीं बोला।

हार नहीं मानती तान्या मित्तल

शो में उनके सबसे खुशी के पल के बारे में पूछे जाने पर, तान्या ने कहा, मैं शो में बहुत रोई हूं, मैं आपको बता नहीं सकती कि किस पल ने मुझे बहुत खुश किया। हर दिन एक नया चैलेंज होता था, मुझसे वो सब करने को कहा जाता था जो मैं करती आई हूं। उन्होंने आगे कहा मेरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे मैं कितनी भी टूटी हुई क्यों न होऊं, मैं हार नहीं मानती।

आपको बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीती। बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में गौरव खन्ना का मुकाबला टॉप फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट से हुआ, वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। कंटेस्टेंट तान्या मित्तल, अमाल मलिक और प्रणित मोरे भी टॉप पांच में शामिल थे। गौरव खन्ना को विनर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी दी गई।

तमिल फिल्म वा वाथियार में स्पिरिट रीडर का किरदार निभा रही हैं कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म वा वाथियार को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है।

कृति ने कहा, मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था। उन्होंने बताया, शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया

जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता। कृति ने कहा, इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो। फिल्म वा वाथियार में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

रात अकेली... में चुनौतियां पैदा करता दिखेगा चित्रांगदा सिंह का किरदार

नेटफ्लिक्स की सफल थ्रिलर फिल्म रात अकेली है का दूसरा पार्ट 5 साल बाद आ रहा है। इस सीक्वल की राइटर स्मिता सिंह ने बताया कि कैसे एक ओपन एंड शट हत्याकांड ने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया और कैसे इस बार इंस्पेक्टर जटिल यादव के रूप में नवाजुद्दीन का किरदार सामाजिक साजिश का सामना करेगा, वह गढ़ना था। बकौल स्मिता... पहले पार्ट में कहानी एक बंद घर और सीमित माहौल के अंदर हुई हत्या पर थी, जबकि इस नए पार्ट में हत्या पूरे देश के सामने जाहिर है। अपराध के हर पहलू के साथ यह पब्लिक केस है लेकिन फिर भी इसके अंदर एक बड़ी साजिश छिपी हुई है, जिसे सिर्फ जटिल यादव ही समझ सकता है। स्मिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 जैसे सोशल कॉमेंट्री वाले मिजाज में है। जहां पहला पार्ट स्मॉल टाउन हत्याकांड का अनुभव देता था, वहीं दूसरा पार्ट पूरे देश की नजरों के सामने ओपन एंड शट केस पेश करता है, जिसे देखना और समझना दोनों ही दर्शकों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होगा। खास बात है कि इसमें दुनिया जिसको हत्यारा मान रही है, वह जटिल यादव की नजरों में वह नहीं है। अब इस बार दांव बड़ा है, जो हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि सबको पहले से पता है। नवाज के किरदार जटिल को मारधाड़ में यकीन कम पिहले पार्ट में जटिल का किरदार रूखा और गंभीर था लेकिन अब उसके जीवन में प्यार आने के कारण वह अधिक पॉजिटिव नजर आता है।

बावजूद इसके उसकी इंसिक्योरिटी और प्रोफेशनल फ्रस्ट्रेशन अब भी मौजूद हैं। कहानी में चित्रांगदा का किरदार जटिल यानि नवाज के लिए चुनौतीपूर्ण और ट्रैजिक है जो उस क्लास को दिखाता है जिसे लगता है कि उनके सामने पूरी दुनिया ही नहीं है। चित्रांगदा का कैरेक्टर बहुत कॉम्प्लेक्स और ट्रैजिक है।

रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में कैमियो कर सकते हैं शाहरुख

रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 को लेकर बड़ा बज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। चर्चा है कि शाहरुख खान इसमें स्पेशल कैमियो करते नजर आ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म का स्केल बढ़ाने के लिए एक बड़े हिंदी सुपरस्टार को जोड़ना चाहते हैं और शाहरुख का नाम टॉप पर है। दावा है कि शाहरुख के हिस्से की शूटिंग के लिए मार्च 2026 की विंडो तय की गई है, हालांकि टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। इससे पहले रजनीकांत की फिल्म कुली में आमिर खान कैमियो कर चुके हैं। फिल्म के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं, जिन्होंने पहली फिल्म जेलर (2023) को ब्लॉकबस्टर बनाया था। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख को कथित तौर पर कुली में भी एक कैमियो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों से इस ऑफर को ठुकरा दिया था। जिसके बाद आमिर खान को जगह मिली थी। जेलर 2 कथित तौर पर पहली फिल्म की घटनाओं के बाद शुरू होगी, जिसमें मुथुवेल पांडियन का पीछा किया जाता है क्योंकि वो बदला लेने के लिए मूर्ति-तस्करी सिंडिकेट से भिड़ जाता है। कहा जाता है कि सीक्वल इस नए आपराधिक नेटवर्क की खोज को दिखाएगा। अभिषेक बच्चन भी दिखेंगे।

मोहनलाल की एक और फिल्म के रीमेक में दिख सकते हैं अजय

ऑपरेशन जावा और सऊदी वेलक्का जैसी फिल्मों के निर्देशक थरुन मूर्ति इस साल मोहनलाल स्टारर थुदारुम की जबरदस्त सफलता के बाद से सुर्खियों में हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 235 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। इसी के बाद निर्देशक को हिंदी और तेलुगु में रीमेक ऑफर्स भी मिलने लगे। थरुन ने बताया कि हिंदी रीमेक के लिए अजय देवगन का नाम गंभीरता से चर्चा में है। अगर हिंदी रीमेक बनता है तो मैं अजय के लिए काफी मेहनत करूंगा, क्योंकि उनका स्टंट बैकग्राउंड कमाल का है। उनके पिता वीरू हिंदी सिनेमा के जाने-माने ऐक्शन डायरेक्टर रहे हैं। थुदारुम में मोहनलाल भी एक पूर्व स्टंटमैन का किरदार निभाते हैं, जो परिवार के साथ सादी जिंदगी बिताते हुए कार-फॉर-हायर सर्विस चलाता है। थरुन ने माना कि बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स की वजह से फिलहाल रीमेक को तुरंत शुरू करना मुश्किल है लेकिन प्रोजेक्ट की चर्चा जारी है और जल्द आधिकारिक ऐलान हो सकता है। इसके अलावा थरुन की टॉरपीडो भी आनी है।

मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं

राम गोपाल वर्मा एक बार फिर से मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म कर रहे हैं। इसका टाइटल पुलिस स्टेशन में भूत है। उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स पर हुई खास बातचीत...

क्या मानते हैं कि हॉरर फिल्मों के लिए अब ऑडियंस चेंज हुई है?

मुझे नहीं लगता कि ऑडियंस चेंज हुई है। रामसे ब्रदर्स ने सफल हॉरर बनाई, फिर आगे चलकर उनकी फिल्मों में काफी ब्लड दिखना शुरू हो गया। वह फिल्में दर्शकों को शायद अच्छी नहीं लगी। मैंने जब रात और डरना मना है या भूत बनाई तो ब्लड के बजाय साइकोलॉजी का प्रयोग किया। वह सब साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्में थीं। मैंने कैमरा एंगल और साउंड इफेक्ट्स की मदद से सीन में हॉरर का माहौल कायम किया।

क्या इसे भूत की स्पिरिचुअल सीक्वल कह सकते हैं?

बिल्कुल नहीं। पुलिस स्टेशन में भूत एक बिल्कुल अलग कहानी है। भूत से उसका कोई नाता नहीं है। इसकी कहानी एक इंस्पेक्टर की है, जो एक गैंगस्टर को मार देता है। अब उस गैंगस्टर की आत्मा उस पुलिस वाले में समा जाती है। ऐसे में, फिर क्या सब होता है, हमारी कहानी उस बारे में है। हम यह भी कहना चाहते हैं कि जब आम इंसान डरता है तो वह पुलिस के पास जाता है। जब पुलिस ही डरे तो क्या होगा।

फिल्म में कितना हेवी वीएफएक्स और कितना रियलिज्म रखा है आपने?

वीएफएक्स है, मगर वह कहानी पर हावी नहीं होती। बाकी मैं हाल के बरसों की हॉरर फिल्में फॉलो करता रहा हूं। मैंने स्त्री, मुंज्या जैसी हॉरर फिल्में देखी हैं। मुझे पसंद भी आई हैं।

सत्या के समय क्या तय कर लिया था कि आम चेहरे वाले किसी युवक को हीरो बनाकर ही दम लेंगे?

मैंने कभी उस पर्सपेक्टिव से फिल्में नहीं बनाई या कलाकारों का चयन हीरो या विलन के तौर पर किया। मैंने हमेशा कहानी, किरदार और हालात के बारे में सोचते हुए उनमें सबसे फिट बैठने वाले कौन कलाकार हो सकते हैं, उससे चीजें तय कीं। उसके ऊपर मैंने कभी यह नहीं सोचा कि मुझे किसी को लॉन्च करना है या किसी को हीरो ही बनाना है। सौभाग्य से तब हमारे प्रोड्यूसर्स भी मेरी बात से सहमति रखा करते थे। इतने वर्षों में शाहरुख के साथ फिल्में क्यों नहीं कीं शाहरुख का जो डिमीनर, कद और आभा है, वह सब बहुत बड़ा है। आम जिंदगी में भी उनसे मिलें तो वे अलग ही लेवल और एनर्जी से लैस महसूस होते हैं लेकिन मेरी फिल्ममेकिंग का स्टाइल कुछ अलग है। मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं। इसलिए मुझे उनके हिसाब की कहानी हो तभी उन्हें अप्रोच करना सही लगता है। बेशक, हमने इतने सालों में चार-पांच बार फिल्म को लेकर मुलाकात की लेकिन स्टोरी डेवलपमेंट के दौरान मुझे लगा कि जो कहानी मैं बनाना चाहता हूं, वह उनके पर जस्टिफाई नहीं करेगी। इसलिए शाहरुख के साथ अभी तक कोई प्रोजेक्ट नहीं हुआ। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ मामला अलग रहा। उन्होंने मेरी सत्या देखी थी और बाद में कंपनी भी देखी। मैं खुद उनकी दीवार और जंजीर जैसी फिल्मों से इंस्पायर्ड रहा हूं। इन चीजों की वजह से हमारी आपसी बॉन्डिंग गहरी हुई। जब काम करने का मौका आया, तो अनुभव बेहद सकारात्मक रहा और अब हम दोनों आगे और भी स्क्रिप्ट्स पर बातचीत कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।